वर्ष-14 - अंक 143
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
बुधवार ,02 सितम्बर 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाजियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

लंबे इंतजार के बाद प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ का 3
वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में आर्थिक विकास दर 4
एनआईटी सिलचर के अस्थायी कर्मचारियों की भूख हड़ताल फिर तेज..... 08

5 सितंबर का प्रस्तावित मार्च रद्द, सरकार ने हमारी सभी मांगें मानीं : सौरव दास

सीजेपी ने कहा- प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर और मुआवजे के मुद्दे पर बनी सहमति

नई दिल्ली(एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 5 सितंबर को इंडिया गेट से नए पुलिस मुख्यालय तक प्रस्तावित शांतिपूर्ण विरोध मार्च को रद्द करने की घोषणा की है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता में दावा किया कि सरकार ने संगठन की सभी प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से मांगों पर सहमति बनने के बाद पार्टी ने प्रस्तावित मार्च को रद्द करने का निर्णय लिया। सौरव दास ने कहा कि सीजेपी की ओर से 5 सितंबर को इंडिया गेट से नए पुलिस मुख्यालय तक शांतिपूर्ण विरोध मार्च प्रस्तावित था। हालांकि, सरकार के साथ बातचीत के बाद उनकी मांगों पर सहमति बनने के चलते अब यह मार्च नहीं किया जाएगा। सीजेपी प्रवक्ता ने दिल्ली पुलिस की चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक के इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की चेहरे की पहचान तकनीक से करीब 2,800 कथित कुख्यात अपराधियों की पहचान किए जाने की बात सामने आई थी। दास ने कहा कि

पार्टी ने सरकार के साथ बातचीत में इस मुद्दे को उठाया। उनका तर्क था कि यदि वास्तव में इतने कुख्यात अपराधी प्रदर्शन स्थल पर मौजूद थे तो उनके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि इन लोगों ने कोई गंभीर अपराध किया है तो उनकी जांच कर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दिल्ली में पहचाने गए करीब 2,800 कथित अपराधियों की जांच के लिए अलग से नई एफआईआर दर्ज किए जाने की बात सामने आई है। सीजेपी प्रवक्ता के मुताबिक, इस मुद्दे पर अब सहमति बन गई है और मामला सुलझ गया है। सीजेपी ने उन परिवारों के लिए मुआवजे की मांग भी उठाई थी, जिनके बच्चों ने नीट पेपर लीक विवाद के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। सौरव दास ने दावा किया कि संगठन ने सरकार से सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सम्मानजनक मुआवजा देने की बात रखने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को भरोसा दिलाया है कि संबंधित परिवारों को 90 दिनों के भीतर मुआवजे की राशि दी जाएगी। उनके अनुसार यह राशि सीधे प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में जमा की जाएगी। दास ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के इस आश्वासन को स्वीकार करते हुए अपने आदेश में शामिल किया है। सौरव दास ने कहा कि सीजेपी की प्रमुख मांगों में देशभर में प्रदर्शन करने वाले छात्रों, युवाओं और अन्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर को वापस लेना शामिल था। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने इस मांग पर भी सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि संगठन की दूसरी प्रमुख मांग उन परिवारों को मुआवजा दिलाना थी, जिनके बच्चों ने नीट पेपर लीक विवाद के कारण आत्महत्या की। दास के अनुसार, सरकार ने दोनों मुद्दों पर सकारात्मक रुख अपनाया है। सीजेपी प्रवक्ता ने 25 जुलाई की घटना का उल्लेख करते हुए इसे देश के युवाओं की बड़ी जीत बताया। उन्होंने दावा किया कि उस समय शिक्षा मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि इसी दौरान सरकार और सीजेपी प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई थी। दास ने बताया कि 25 जुलाई को सीजेपी की ओर से आशुतोष और उन्होंने वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा तथा जितेंद्र सिंह के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी। उन्होंने कहा कि उस दौरान संगठन की मांगों और प्रदर्शनकारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई थी। सौरव दास ने कहा कि संगठन ने अपनी मांगों को लेकर लगातार आवाज उठाई और सरकार के साथ बातचीत के बाद कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहमति बनी। इसी के चलते 5 सितंबर को प्रस्तावित शांतिपूर्ण मार्च को रद्द करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य युवाओं और छात्रों से जुड़े मुद्दों को सामने लाना था।

नेपाल त्रासदी में मरने वालों की संख्या 1000 के पार, करीब 4000 लोग अब भी लापता

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में पिछले हफ्ते आई विनाशकारी बाढ़ के बाद मरने वालों की संख्या 1000 से पार हो गई है, जबकि नदियों के किनारों पर बहे हुए शवों का मिलना अब भी जारी है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने मंगलवार को ताजा अपडेट में बताया कि अब तक कुल 1003 शव बरामद किए जा चुके हैं। सबसे ज्यादा 321 शव दक्षिणी चितवन जिले से मिले हैं। इसके बाद पूर्वी नवलपरासी में 216 शव बरामद हुए हैं। एनडीआरआरएमए के अनुसार, 583 विदेशी नागरिकों सहित 3,916 लोग अब भी लापता हैं और उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। लापता लोगों में नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस के जवानों के साथ-साथ अन्य सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। प्राधिकरण के मुताबिक, भोटेकोशी और त्रिशूली नदी के किनारे स्थित विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले 639 लोग लापता हैं। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित जिलों में तलाशी, बचाव और राहत अभियान लगातार जारी है। प्राधिकरण ने बताया कि इस आपदा में 279 लोग घायल हुए हैं। खोज और पहचान का काम जारी रखने के साथ ही घायलों और मृतकों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। एनडीआरआरएमए के अनुसार, खोज, बचाव और राहत कार्यों के लिए कुल 21,314 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। इनमें नेपाली सेना के 9,199, नेपाल पुलिस के 7,912 और सशस्त्र पुलिस बल के 4,203 जवान शामिल हैं। प्राधिकरण ने बताया कि अज्ञात शवों को पहचान और समुचित प्रबंधन के लिए 21 अलग-अलग स्थानों पर रखा गया है। ताजा अपडेट के मुताबिक, अब तक 11,884 लोगों को बचाया जा चुका है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में तलाशी और बचाव अभियान जारी है, जिसमें सुरक्षा एजेंसियां फंसे हुए लोगों तक पहुंचने के लिए हेलीकॉप्टर और अन्य संसाधनों का इस्तेमाल कर रही हैं। इस बीच, नेपाली सेना ने कहा कि वह विदेशी विशेषज्ञों की मदद से विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं में तलाशी और बचाव अभियान जारी रखे हुए है। चिलिमे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट, लांगटांग हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट, अपर त्रिशूली-1 और त्रिशूली-3ए समेत अन्य जगहों पर संयुक्त बचाव अभियान चल रहा है। नेपाली सेना के अनुसार, बाढ़ के तुरंत बाद शुरू किए गए बचाव अभियान के दौरान हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट क्षेत्रों से 279 लोगों को जीवित बचाया गया। इनमें रसुवागढ़ी से दो, अपर त्रिशूली-1 से 33, अपर त्रिशूली-3ए से 221, अपर त्रिशूली-3बी से दो, मैलुंग से नौ, नुवाकोट सोलर पावर प्रोजेक्ट से चार, त्रिशूली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से तीन और देवघाट हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से पांच लोग शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

इमरान खान और बुशरा बीबी को एकांत कारावास में न रखने का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को एकांत कारावास में न रखने का आदेश इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने जेल प्रशासन को दिया है। अदालत ने मंगलवार को अदियाला जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि दोनों को जेल नियमावली के अनुसार आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही अदालत ने इमरान खान को उनके बेटों से फोन पर बातचीत कराने और परिवार के सदस्यों को जेल नियमों के तहत उनसे मिलने की अनुमति देने का भी निर्देश दिया। इस्लामाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति खादिम हुसैन सूमरो ने इमरान खान और बुशरा बीबी को कथित तौर पर एकांत कारावास में रखे जाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनवाई योग्य माना। अदालत ने अदियाला जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि वह जेल मैनुअल के मुताबिक दोनों को उपलब्ध सुविधाएं सुनिश्चित करे। अदालत ने जेल अधिकारियों को इमरान खान और उनके बेटों के बीच टेलीफोन पर बातचीत की व्यवस्था करने को कहा है। साथ ही उनके परिवार के सदस्यों को जेल नियमों के अनुसार मुलाकात की अनुमति देने के निर्देश दिए गए हैं।

देश में अब पराली जलाने की समस्या हो रही खत्म, पराली से बन रहा इथेनॉल और बायो-सीएनजी : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा के पहले स्पीकर चार्टी लाल गोयल की 99वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब देश में पराली जलाने की समस्या खत्म हो रही है। इससे हम लोग इथेनॉल और बायो-सीएनजी बनवा रहे हैं, आने वाले दिनों में इसकी समस्या पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि व्यक्ति कितने वर्षों तक जीवित रहा, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उसने अपना जीवन किस तरह जिया और समाज के लिए क्या योगदान दिया। जन्म लेने वाले हर व्यक्ति की मृत्यु निश्चित है और यह एक सार्वभौमिक नियम है। किसी व्यक्ति का वास्तविक मूल्यांकन उसके जीवन की अवधि से नहीं, बल्कि इस बात से होता है कि उसने अपने जीवन को किस उद्देश्य और तरीके से जिया। कार्यक्रम में उन्होंने उस स्थान के बदलाव की भी सराहना की, जहां पहले कबाड़ का ढेर हुआ करता था और अब उसे एक सुंदर बगीचे में बदल दिया गया है।

गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' का मुख्यमंत्री ने पेश किया सरकारी प्रस्ताव

चंडीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को हरियाणा विधानसभा में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित देशव्यापी 'गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' के संबंध में सरकारी प्रस्ताव पेश किया और सदन में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित हुआ। मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि गत 29 जुलाई, 2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शुरू हुआ यह अभियान 20 फरवरी, 2027 तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी के समता, ममता, करुणा, सेवा, भक्ति, सामाजिक न्याय एवं सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचाना तथा विभिन्न वर्गों में सामाजिक एकता को और मजबूत करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

इस अभियान का शुभारंभ संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी से हुआ। इस अवसर पर वहां की पवित्र मिट्टी से भरे कलश का पूजन कर उन्हें देशभर के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को सौंपा गया। हरियाणा में श्री गुरु रविदास जी की जन्मस्थली की पावन मिट्टी की कलश यात्रा 4 अगस्त, 2026 को पहुंची तथा इसके स्वागत में 5 अगस्त, 2026 को गुरुग्राम स्थित माता शीतला मंदिर परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया। इसमें लाए गए कलशों को जिला एवं ग्राम स्तर तक पहुंचाया जा रहा है, जहां श्रद्धालु पावन मिट्टी को स्थानीय मंदिरों की मिट्टी में मिलाकर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी के सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि समरसता यात्रा आगामी 5 अक्तूबर को हरियाणा में पहुंचेगी और 5 नवंबर, 2026 तक चलेगी। यात्रा के स्वागत के लिए इसके मार्ग में पूरे प्रदेश में प्रवेश द्वार और स्वागत स्थल तैयार किए जाएंगे तथा जनसभाएं आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, 26 नवंबर, 2026 से 15 जनवरी, 2027 तक छात्रावासों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और कोचिंग केंद्रों में विशेष संवाद आयोजित किए जाएंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी का जन्म 649 वर्ष पहले माघ पूर्णिमा के पावन दिन काशी की पुण्य भूमि पर हुआ था। उनका व्यक्तित्व पूर्णिमा के चंद्रमा की तरह शीतल एवं उज्ज्वल था। उन्होंने भक्ति आंदोलन के माध्यम से समाज सुधार का साहसिक और ऐतिहासिक कार्य किया। उस समय जाति-पाति, अंधविश्वास तथा ऊंच-नीच में उलझे समाज में उन्होंने नई जागृति पैदा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी का अमर संदेश 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' हमें सिखाता है कि यदि नीयत साफ हो, भाव पवित्र हों और कर्म लोक-कल्याण के लिए हों, तो साधारण से साधारण स्थान भी तीर्थ बन जाता है।

मेरठ में किसानों की महापंचायत, राकेश टिकैत ने उठाए गन्ना मूल्य और बिजली के मुद्दे

मेरठ(एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के नेतृत्व में मंगलवार को मेरठ में किसानों की महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत में किसानों से जुड़ी कई समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। किसानों ने गन्ने के दाम बढ़ाने, बकाया भुगतान करने के साथ-साथ बिजली, खाद, भूमि अधिग्रहण और बाढ़ से होने वाले नुकसान का मुआवजा देने जैसी मांगें रखीं। राकेश टिकैत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि किसानों के सामने इस समय कई मोर्चों पर समस्याएं हैं। बिजली की बढ़ती लागत और भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए उन्होंने कहा कि जमीन के सर्किल रेट कम हैं, जबकि बिजली के रेट अधिक हैं। सरकार को किसानों की लागत और आमदनी के बीच बढ़ते अंतर पर ध्यान देना चाहिए। गन्ना किसानों की स्थिति का जिक्र करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि गन्ने के दाम में पर्याप्त बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने

मांग की कि गन्ने का भाव 500 रुपए प्रति क्विंटल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है। खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर कपड़े और रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों की कीमतों में वृद्धि हुई है, लेकिन किसान की फसल के दाम उसी अनुपात में नहीं बढ़े हैं। किसानों को कम से कम पिछले साल के मुकाबले चीनी के बढ़े हुए भाव का लाभ मिलना चाहिए। किसानों की समस्या लगातार बढ़ रही है और सरकार को उनकी आय तथा उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए फसलों के उचित दाम सुनिश्चित करने चाहिए।

आलू किसानों की समस्याओं को उठाते हुए टिकैत ने कहा कि आलू उत्पादक किसान भी नुकसान की स्थिति में हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर पर कांग्रेस का प्रदर्शन, हुड्डा बोले- डरने वाले नहीं

चंडीगढ़(एजेंसी)। उत्तराखंड में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में कांग्रेस ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद कर्मवीर बौद्ध, विधायक गीता भुक्कल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने एफआईआर को राजनीतिक कार्रवाई बताते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस ऐसी कार्रवाई से

डरने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि न तो राहुल गांधी डरेंगे और न ही कांग्रेस के कार्यकर्ता। हुड्डा के मुताबिक, राहुल गांधी ने हल्द्वानी में हुई घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी, लेकिन इसके बजाय उनके खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कर दिया गया। कांग्रेस सांसद कर्मवीर बौद्ध ने कहा कि देश संविधान के अनुसार चलेगा, न कि मनुस्मृति के आधार पर। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और महिलाओं के अधिकारों की आवाज उठाने वाले नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा के बाद कथित रूप से किए गए 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम का मुद्दा उठाते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विधायक गीता भुक्कल ने कहा कि देश में आवाज उठाने वाले लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज करना चिंताजनक स्थिति है।

ग्रेटर नोएडा: चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, आभूषण-सिक्के और अवैध चाकू बरामद

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाने की पुलिस ने चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के आभूषण, धातु के सिक्के, पेंट की बाल्टी, अवैध चाकू और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों को स्थानीय खुफिया सूचना और गोपनीय जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए बोड़ाकी मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर को दादरी पुलिस को क्षेत्र में चोरी करने वाले आरोपियों के संबंध में सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर

पुलिस टीम ने बोड़ाकी मोड़ के आसपास संदिग्धों की तलाश शुरू की। इसी दौरान पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी का सामान तथा अवैध हथियार बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देव पुत्र नरेश कुमार और आकाश पुत्र लाल किशन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक देव की उम्र करीब 19 वर्ष है और वह बुलंदशहर के थाना ककोड़ क्षेत्र के ग्राम धनौरा का रहने वाला है। वहीं दूसरा आरोपी आकाश करीब 25 वर्ष का है और बुलंदशहर के थाना चोला क्षेत्र के ग्राम खवासपुर का निवासी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से पीली धातु का एक लॉकेट, सफेद धातु के दो कंगन और आठ सिक्के बरामद किए हैं।इसके अलावा, आरोपियों के पास से एक पेंट की बाल्टी, दो अवैध चाकू और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ दादरी थाने में चोरी और अवैध हथियार से संबंधित कई मुकदमे दर्ज हैं।

रक्षा मंत्री ने 16 डीपीएसयू के कामकाज की समीक्षा की, पांच साल का रोडमैप तैयार करने के निर्देश

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को देश के 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) के वार्षिक प्रदर्शन और प्रगति की व्यापक समीक्षा की। नई दिल्ली स्थित रक्षा सार्वजनिक उपक्रम भवन में हुई बैठक में उन्होंने सभी डीपीएसयू को अगले पांच वर्षों के लिए स्पष्ट, व्यावहारिक और दूरगामी रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह रोडमैप बदलती युद्ध तकनीक और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने वाला होना चाहिए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बैठक के दौरान रक्षा

उत्पादन बढ़ाने, स्वदेशी तकनीक के विकास, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार तथा रक्षा निर्यात को गति देने पर विशेष चर्चा हुई। रक्षा मंत्री ने डीपीएसयू के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन में उनके योगदान की सराहना की। राजनाथ सिंह ने कहा कि डीपीएसयू देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने उत्पादन क्षमता और तकनीकी दक्षता बढ़ाने के साथ अनुसंधान एवं विकास को मजबूत करने पर जोर दिया, ताकि भारतीय सशस्त्र बलों की भविष्य की जरूरतों को अधिक से अधिक देश में ही पूरा किया जा सके। रक्षा मंत्री ने डीपीएसयू से अत्याधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के विकास पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने बदलती युद्ध तकनीक और सुरक्षा वातावरण के अनुरूप नई तकनीकों को अपनाने तथा अपनी क्षमताओं में लगातार सुधार करने की आवश्यकता बताई। बैठक में रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया। राजनाथ सिंह ने डीपीएसयू को अंतरराष्ट्रीय बाजार की जरूरतों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले और प्रतिस्पर्धी रक्षा उत्पाद विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय रक्षा उत्पादों की वैश्विक पहुंच बढ़ाने में डीपीएसयू की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। रक्षा मंत्री ने कहा कि डीपीएसयू में बदलाव को केवल आर्थिक या औद्योगिक सुधार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरत से भी जुड़ा है।

एक साल से फरार 5 हजार का इनामी हत्यारोपी गिरफ्तार

जोधपुर(एजेंसी)। जिले की डांगियावास थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हत्या के मामले में 1 साल से फरार चल रहे ?5000 के इनामी और टॉप-10 बदमाशों में शामिल आरोपी प्रकाश मेघवाल (23) को दबोच लिया है। आरोपी पर सालवा कलां निवासी महीपाल मेघवाल की हत्या का आरोप है। पुलिस के अनुसार, वारदात के बाद से ही आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने और भेष बदल रहा था। वह महाराष्ट्र और कर्नाटक के विभिन्न इलाकों में फरारी काट रहा था। पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि आरोपी 4 सितंबर को अपने घर में आयोजित होने वाले एक सामाजिक

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वापस आ रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए डांगियावास थाना पुलिस ने इलाके में रणनीतिक घेराबंदी की और आरोपी के पहुंचते ही उसे धर दबोचा। उल्लेखनीय है कि इस हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी, जबकि मुख्य आरोपी प्रकाश पुलिस को चकमा दे रहा था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

किशोरी घर से 30 हजार रुपये व जेवरात लेकर प्रेमी संग फरार, युवक पर अपहरण का केस

सहजनवां/गोरखपुर: सहजनवा थाना क्षेत्र के एक गांव की 13 वर्षीय किशोरी घर में रखे 30 हजार रुपये और जेवरात लेकर प्रेमी संग फरार हो गई। परिजनों की खोजबीन के बाद एक युवक द्वारा किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने की जानकारी मिली। किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, किशोरी 27 अगस्त की रात करीब 11 बजे घर से निकली थी। देर रात तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान पता चला कि बखिरा थाना क्षेत्र का एक युवक, जो एक डीजे व आर्केस्ट्रा संचालक के यहां रहता है, किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। परिजनों के अनुसार किशोरी घर में रखे 30 हजार रुपये और जेवरात भी साथ ले गई है। पीड़िता की मां की तहरीर पर सहजनवा पुलिस ने आरोपी मनीष गोंड पुत्र राम गुलाम गोंड, निवासी करौंदा, थाना बखिरा, जनपद संतकबीरनगर के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस किशोरी की बरामदगी और मामले की जांच में जुटी है।

छात्रवृत्ति के लंबित मामलों के निस्तारण की समय-सारिणी जारी

देवरिया। दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत वंचित पात्र छात्र-छात्राओं को लाभ दिलाने के लिए शासन ने संशोधित समय-सारिणी जारी की है। शिक्षण संस्थानों को छात्रवृत्ति मास्टर डाटा में शामिल होने की प्रक्रिया एक से सात सितंबर तक पूरी करनी होगी। सीट वैरीफिकेशन व फीस सत्यापन दो से आठ सितंबर तक होगा। मास्टर डाटा का सत्यापन तीन से नौ सितंबर तथा रिजल्ट अपडेट तीन से 10 सितंबर तक किया जाएगा। त्रुटिपूर्ण आवेदन 16 से 18 सितंबर तक संशोधित होंगे। सत्यापित पात्र डाटा 17 से 19 सितंबर तक अग्रसारित किया जाएगा। विभाग ने संस्थानों से समयसीमा का पालन करने को कहा है।

यूकेलिप्टस के पेड़ से लटका मिला युवक का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

बिसवां /सीतापुर। थाना मानपुर क्षेत्र के ग्राम अहमदपुर में बुधवार को यूकेलिप्टस के पेड़ से युवक का शव फंदे पर लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान पुनीत (लगभग 35 वर्ष) पुत्र तेजपाल गौतम निवासी ग्राम झांसापुर के रूप में हुई है। बताया गया कि पुनीत रविवार को अपनी ससुराल अहमदपुर आया था। परिजनों के अनुसार वह सोमवार से नशे की हालत में था और शाम को घर से निकलने के बाद वापस नहीं लौटा। पत्नी रंजना ने उसकी काफी तलाश की, जिसके बाद गांव के दक्षिण दिशा में मानपुर-तेंदुआ संपर्क मार्ग के किनारे उसका शव मिला। सूचना पर पहुंची मानपुर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

डेढ़ दशक से जलभराव की मार झेल रहा स्टेशन रोड-बैरिसालपुर संपर्क मार्ग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। निगोहां के स्टेशन रोड से बैरिसालपुर गांव को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग करीब डेढ़ दशक से जलभराव और बदहाली की मार झेल रहा है। बारिश होते ही सड़क का बड़ा हिस्सा पानी में डूबकर तालाब में तब्दील हो जाता है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों में पानी भरने से राहगीरों को सड़क की स्थिति का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। लंबे समय से समस्या बनी रहने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। स्थानीय निवासी विमलेश सिंह, जतिन सिंह, दीपक पटेल, उस्मान, विनोद समेत दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि बरसात में इस मार्ग से गुजरना जोखिम भरा हो जाता है। कई स्थानों पर इतना पानी भर जाता है कि वाहन चालकों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता

है। गड्ढों का पता नहीं चलने से दोपहिया वाहन अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं। पैदल राहगीरों, स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को भी कीचड़ और गंदे पानी के बीच से निकलना पड़ता है।

जरूरी आवागमन का मार्ग, फिर भी बदहाल

ग्रामीणों के मुताबिक स्टेशन रोड से बैरिसालपुर को जोड़ने वाला यह मार्ग आसपास के कई गांवों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। इसी रास्ते से ग्रामीण बाजार, स्कूल, अस्पताल समेत अन्य जरूरी कामों के लिए आते-जाते हैं। जलभराव के कारण आसपास के घरों और दुकानों तक पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी बीमार लोगों को अस्पताल ले जाने के दौरान होती है। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के समय एंबुलेंस समेत जरूरी वाहनों के आवागमन में भी बाधा आती है।

डेढ़ दशक से सिर्फ आश्वासन

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की बदहाली कोई नई समस्या नहीं है। करीब 15 वर्षों से हर बरसात में जलभराव की यही स्थिति बनती है। ग्रामीणों ने कई बार जिम्मेदार अधिकारियों, संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से सड़क की मरम्मत तथा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की, लेकिन हर बार आश्वासन देकर मामला टाल दिया गया। समय के साथ सड़क की हालत और खराब होती चली गई। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क के किनारे समुचित नाली और जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। बारिश का पानी सड़क पर ही जमा हो जाता है और कई दिनों तक निकल नहीं पाता। लगातार पानी भरे रहने से सड़क की परत उखड़ रही है और गड्ढे बढ़ते जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी की व्यवस्था और सड़क की मरम्मत करा दी जाती तो स्थिति इतनी खराब नहीं होती। ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके का स्थलीय निरीक्षण कराकर सड़क की स्थिति का आकलन कराने, गुणवत्तापूर्ण तरीके से मार्ग का पुनर्निर्माण कराने और दोनों ओर नाली बनाकर जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने की मांग की है। क्षेत्रवासियों ने कहा कि अब उन्हें अधिकारियों के आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर काम चाहिए। जल्द समाधान नहीं होने पर उच्चाधिकारियों से शिकायत कर समस्या को प्रमुखता से उठाने की चेतावनी दी है।

सड़क हादसे में बैंक कर्मचारी जखमी, इलाज के दौरान मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीजीआई /लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ने एक बैंक कर्मचारी की जिंदगी निगल ली।मंगलवार की रात घर वापस लौट रहे बैंक कर्मचारी को तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी।घटना में घायल बैंक कर्मी को अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। मिली सूचना के आधार पर राहुल सिंह खारिका राजीव नगर घोसियाना, तेलीबाग के रहने वाले थे और एक बैंक में पीओ के पद पर तैनात थे। मंगलवार रात करीब 12:30 बजे वह होंडा शाइन बाइक से घर लौट रहे थे। सेक्टर-6 स्थित सीएनजी पंप के सामने विपरीत दिशा से आ रहे पिकअप ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही पीजीआई पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस से राहुल को ट्रॉमा सेंटर भेजा। चिकित्सकों के प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। हादसे की खबर घर पहुंचते ही परिवार में मातम पसर गया।पुलिस के मुताबिक पिकप और उसका चालक दोनों ही पुलिस के कब्जे में हैं।पकड़ा गया चालक अभिषेक प्रजापति थाना क्षेत्र के कुम्हार मंडी, तेलीबाग का ही रहने वाला है।

26 साल पुराने चोरी के मुकदमे में वारंटी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। न्यायालय में लंबे समय से पेशी पर हाजिर नहीं हो रहे 26 साल पुराने चोरी के मुकदमे के वारंटी को मोहनलालगंज पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी पप्पू पुत्र नन्हकू निवासी ग्राम देवती, थाना नगराम है। उसकी उम्र करीब 55 वर्ष बताई गई है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ मोहनलालगंज कोतवाली में अपराध संख्या 402/98 और वाद संख्या 807/99 में धारा 379 और 411 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज था। मामले की सुनवाई के दौरान आरोपी लंबे समय से न्यायालय की निर्धारित तारीखों पर पेश नहीं हो रहा था। इसके चलते न्यायालय ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। वारंट के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज के निर्देशन में पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने मंगलवार को देवती गांव पहुंचकर पप्पू को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में मोहनलालगंज पुलिसकर्मी शामिल रहे।

गोला पुलिस ने स्कूल की छात्राओं को सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का दिया मंत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला बाजार- गोरखपुर। शासन के मंशा के अनुरूप महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत थाना परिसर गोला बाजार में मंगलवार को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 10वीं से 12वीं तक की छात्राओं को आपातकालीन स्थिति में अपनी सुरक्षा करने, कानूनी अधिकारों को जानने और आत्मनिर्भर बनने के प्रति जागरूक किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थाना प्रभारी निरीक्षक चंद्रप्रकाश पांडेय, निरीक्षक अपराध राजेश कुमार यादव वरिष्ठ उप निरीक्षक इंद्रजीत कुशवाहा नारी मिशन शक्ति प्रभारी महिला उप-निरीक्षक प्रियंका मौर्य एवं महिला कांस्टेबल करिश्मा राना ने छात्राओं को मिशन शक्ति के मूल उद्देश्यों और महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। थाना प्रभारी चंद्रप्रकाश पांडेय ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति में घबराने के बजाय निडर होकर सामना करना चाहिए। पुलिस हर कदम पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए तत्पर है।

महिला उप-निरीक्षक प्रियंका मौर्य और कांस्टेबल करिश्मा राना ने सरकार द्वारा जारी विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों- 1090 (महिला पावर लाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), और 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) के प्रयोग एवं उनकी कार्यप्रणाली के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। विद्यालय के प्रबंध निदेशक अमरनाथ वर्मा ने पुलिस टीम का आभारव्यक्त करते हुए कहा नारी सुरक्षा और सम्मान केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि यह हमारे समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। एल.पी.एम. पब्लिक स्कूल अपनी छात्राओं को न केवल उत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से इतना सशक्त बनाना चाहता है कि वे हर चुनौती का सामना आत्मविश्वास से कर सकें। कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्या एकता वर्मा व रेवरेण्ट डी के सिंह ने कहा कि आज के दौर में बालिकाओं का जागरूक और सतर्क होना बेहद आवश्यक है। इस प्रकार के जागरूकता सत्रों से छात्राओं में सुरक्षा बोध बढ़ता है और उनका मनोबल मजबूत होता है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारी छात्राएं इन जानकारियों का लाभ उठाकर स्वयं को और अपने आसपास की अन्य महिलाओं को भी जागरूक करेंगी। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों से अपनी शंकाओं के समाधान हेतु प्रश्न भी पूछे, जिनका अधिकारियों ने बेहद सहजता से उत्तर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के समन्वयक मनीष यादव सहसमन्वयक अनूप सिंह व इन्द्रजीत सिंह के साथ शिक्षक शिवम पाण्डेय, चन्दन विश्वकर्मा, दुर्गेश धर दुबे, अर्जुन प्रजापति उपस्थित रहे।

मानदेय को तरसे रोजगार सेवक, डिप्टी सीएम के दरबार में पहुंचा दर्द

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। महीनों से मानदेय भुगतान की राह देख रहे ग्राम रोजगार सेवकों की आवाज मंगलवार को शासन के शीर्ष स्तर तक पहुंची। विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर ग्राम रोजगार सेवकों के प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से उनके आवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मानदेय में बढ़ोतरी, समय से भुगतान और लंबे समय से लंबित बकाया मानदेय का भुगतान कराने समेत कई मांगें प्रमुखता से उठाईं। प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि ग्राम रोजगार सेवक ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन मानदेय भुगतान में देरी के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने ट्रेजरी में लंबे समय से लंबित मानदेय का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग रखी। इसके साथ ही ग्राम रोजगार सेवकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और मानव सम्पदा पोर्टल पर डाटा अंकित किए जाने की मांग भी रखी गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इन सुविधाओं से ग्राम रोजगार सेवकों को काफी राहत मिलेगी। मांगों को गंभीरता से सुनने के बाद उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने मानदेय भुगतान के संबंध में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डिप्टी सीएम के हस्तक्षेप के बाद लंबित मानदेय के जल्द भुगतान की उम्मीद जगी है। प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि मानदेय भुगतान के साथ ही अन्य लंबित मांगों पर भी शासन जल्द सकारात्मक निर्णय लेगा। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप द्विवेदी, प्रदेश प्रभारी आकाश त्रिपाठी, प्रदेश महामंत्री राजवीर सिंह और प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामलखन तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

निगोहां में आमने-सामने भिड़ीं दो बाइकें, दो युवक गंभीर

.....पटसा गांव के सामने हुआ हादसा, पुलिस ने दोनों घायलों को ट्रॉमा सेंटर भेजा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहां, लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र के पटसा गांव के सामने मंगलवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। हादसे में नगराम थाना क्षेत्र के नवी नगर निवासी नदीम पुत्र सहजवान अली और निगोहां थाना क्षेत्र के रतनापुर निवासी प्रीतम पुत्र विपिन गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा। हालत गंभीर होने पर दोनों को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने हादसे की सूचना घायलों के परिजनों को दे दी है। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

शिक्षकों के विभागीय आईडी कार्ड बनवाने की मांग

बिसवां सीतापुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई सकरन ने जनपद में कार्यरत समस्त अध्यापकों के विभागीय आईडी कार्ड बनवाए जाने की मांग उठाई है। इस संबंध में संघ पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष एवं जिला मंत्री को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई कराने का अनुरोध किया है। संघ के पदाधिकारियों ने पत्र में बताया कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस योजना के अंतर्गत उपचार के लिए चिकित्सालयों में विभागीय आईडी कार्ड की आवश्यकता पड़ रही है। इसके बावजूद जनपद में कई अध्यापक विभागीय आईडी कार्ड बनवाने से वंचित रह गए हैं, जिससे उन्हें योजना का लाभ लेने में परेशानी हो सकती है। पत्र में मांग की गई है कि वंचित शिक्षकों के विभागीय आईडी कार्ड बनवाने के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से आवश्यक कार्रवाई कराई जाए। संघ ने शीघ्र समस्या का समाधान कराने की अपेक्षा जताई है। मांग करने वाले अध्यापकों में ब्लॉक इकाई सकरन के अध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार पटेल सहित पदाधिकारी हैं।

लापरवाही मामले में तीन सीडीपीओ और सुपरवाइजर का वेतन रोका

डीएम ने जल निगम, सिंचाई, नलकूप, पोषण व महिला कल्याण योजनाओं की किया समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही पर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सख्त रुख अपनाया। जिला पोषण समिति की समीक्षा में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर लार, सलेमपुर और रुद्रपुर के सीडीपीओ व संबंधित सुपरवाइजर का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। कलेक्ट्रेट में जल संसाधन विभागों की समीक्षा में डीएम ने जल निगम की पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों का रिस्टोरेशन समय से कराने के निर्देश दिए। बाढ़ खंड को जलस्तर व वर्षा के आंकड़े नियमित प्रदर्शित करने और बाढ़-कटान से बचाव की तैयारियां पूरी रखने को कहा। सिंचाई विभाग को नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने और आवश्यकता के अनुसार सिल्ट सफाई कराने के निर्देश दिए। नलकूप विभाग को खराब राजकीय नलकूप प्राथमिकता से ठीक कर किसानों को निर्बाध सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने को कहा।

मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना में जिले में उथले नलकूप के 2,438, मध्यम गहरे नलकूप के 37 तथा पंपसेट-हौज के 137 आवेदन प्राप्त हुए हैं। पोषण समीक्षा में आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन, बच्चों की उपस्थिति, होम विजिट और कुपोषित बच्चों की निगरानी की जांच हुई। डीएम ने सभी बीडीओ को कम से कम 20-20 आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करने को कहा साथ ही लापरवाह आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों पर कार्रवाई के भी निर्देश दिए। आइजीआरएस की समीक्षा में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने को कहा। शिकायतकर्ता से संवाद और निस्तारण आख्या में कार्रवाई का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य किया। महिला कल्याण की समीक्षा में दो बहनों का कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, रुद्रपुर में नामांकन कराया गया। डीएम ने चार सितंबर को महिला सशक्तीकरण पर यूट्यूब लाइव और 17 सितंबर को पांच विकासखंडों में पीएनटी बैठकें कराने के निर्देश दिए।

नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं को वितरित किए गए नियुक्ति पत्र

महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम : विधायक प्रभात कुमार वर्मा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर, गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं को रोजगार, सम्मान और स्वावलंबन के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, विकासखंड बभनजोत, जनपद गोंडा द्वारा नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिका बहनों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी सहायिकाएं प्रदेश के नौनिहालों के पोषण, स्वास्थ्य एवं सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनका चयन केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मातृशक्ति को सशक्त बनाने, महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने तथा समाज के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं एवं महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। महिला सशक्तिकरण और रोजगार के क्षेत्र में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रदेश की विकास यात्रा को नई गति प्रदान कर रहे हैं।

विधायक ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने के अवसर प्रदान करना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। इस अवसर पर विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने सभी नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिका बहनों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा बच्चों और महिलाओं के हित में बेहतर कार्य करें। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज पटेल, सीडीपीओ बभनजोत दुर्गेश कुमार गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अरुण प्रकाश शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष शोहरत वर्मा, डब्लू सिंह, बब्लू वर्मा, विक्रम प्रसाद वर्मा सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नव चयनित आंगनबाड़ी सहायिका बहनें उपस्थित रहीं।

बारिश में जलमग्न हो जाती हैं सड़कें

सेक्टर-क्यू अलीगंज में बरसात के दिनों में सड़क पर भरता है पानी, राहगीरों और स्थानीय लोगों की बढ़ती परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बरसात के मौसम में जलभराव वाले स्थानों पर नियमित रूप से साफ-सफाई और मच्छररोधी दवा का छिड़काव कराया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से सेक्टर-यू की जलनिकासी व्यवस्था का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि केवल बारिश के दौरान पानी निकालने की व्यवस्था करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। क्षेत्र की नालियों, नालों और जलनिकासी मार्गों की तकनीकी जांच कराकर जहां जरूरत हो वहां उनकी क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज स्थित सेक्टर-क्यू में बरसात के दिनों में जलभराव की समस्या स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। बारिश होते ही क्षेत्र की कई सड़कों पर पानी जमा हो जाता है और कुछ स्थानों पर सड़कें जलमग्न नजर आती हैं। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी काफी देर तक सड़कों पर जमा रहता है, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक क्षेत्र में बारिश के दौरान जलभराव कोई नई समस्या नहीं है। हल्की बारिश में भी सड़क के निचले हिस्सों में पानी जमा होना शुरू हो जाता है, जबकि तेज बारिश होने पर स्थिति और गंभीर हो जाती है। पानी सड़क पर फैल जाने से राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सड़कों पर पानी जमा होने के कारण पैदल चलने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी होती है। कई बार लोगों को सड़क के किनारे जमा पानी से होकर गुजरना पड़ता है। दोपहिया वाहन चालकों को भी पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव के कारण सड़क पर बने गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में नालियों और जलनिकासी की नियमित सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी तेजी से नहीं निकल पाता। जगह-जगह जमा गंदगी और कचरे के कारण नालियां अवरुद्ध होने की शिकायत भी सामने आती रही है। लोगों का आरोप है कि बारिश से पहले यदि नालियों की पर्याप्त सफाई और जलनिकासी व्यवस्था की जांच कर ली जाए तो समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहने से सड़क की स्थिति भी खराब होने की आशंका बनी रहती है। पानी के लगातार जमाव से सड़क की ऊपरी परत प्रभावित होती है और गड्ढे बनने लगते हैं। इससे आने वाले समय में सड़क मरम्मत पर अतिरिक्त खर्च का दबाव भी बढ़ सकता है। जलभराव केवल यातायात की समस्या नहीं है, बल्कि इससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ जाते हैं। कई दिनों तक पानी जमा रहने पर मच्छरों के पनपने की आशंका रहती है। इससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बरसात के मौसम में जलभराव वाले स्थानों पर नियमित रूप से साफ-सफाई और मच्छररोधी दवा का छिड़काव कराया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से सेक्टर-क्यू की जलनिकासी व्यवस्था का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि केवल बारिश के दौरान पानी निकालने की व्यवस्था करने से समस्या का समाधान नहीं होगा। क्षेत्र की नालियों, नालों और जलनिकासी मार्गों की तकनीकी जांच कराकर जहां जरूरत हो वहां उनकी क्षमता बढ़ाई जानी चाहिए। लोगों ने मांग की है कि बारिश शुरू होने से पहले नालियों की नियमित सफाई, जलनिकासी मार्गों की निगरानी और जलभराव वाले स्थानों को चिह्नित कर स्थायी समाधान की योजना बनाई जाए। यदि समय रहते प्रभावी कदम उठाए गए तो बरसात के दिनों में होने वाली परेशानी से स्थानीय निवासियों को राहत मिल सकती है। सेक्टर-क्यू के निवासियों की उम्मीद है कि नगर निगम और संबंधित विभाग समस्या को गंभीरता से लेते हुए मौके का निरीक्षण करेंगे और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराएंगे, ताकि राजधानी के इस प्रमुख आवासीय क्षेत्र में बारिश के दौरान लोगों को आवागमन में परेशानी न उठानी पड़े।

लंबे इंतजार के बाद प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ का चुनाव संपन्न, डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह बने अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लंबे समय से प्रतीक्षित प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ के लखनऊ जनपद के चुनाव सोमवार को बलरामपुर अस्पताल के विज्ञान सभागार में संपन्न हुए। चुनाव में लखनऊ जिले के विभिन्न सरकारी चिकित्सालयों में तैनात चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। संगठन को मजबूत करने और चिकित्सकों के हितों को प्रभावी ढंग से उठाने के उद्देश्य से चुनाव कराया गया। चुनाव परिणाम में अध्यक्ष पद पर डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह विजयी हुए, जबकि सचिव पद पर डॉ. उपेंद्र निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर डॉ. हिमांशु सिंह एवं डॉ. राघवेंद्र सिंह चुने गए। महिला उपाध्यक्ष के पद पर डॉ. शोभना यादव, वित्त सचिव पद पर डॉ. अरुण चौधरी, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य के पद पर डॉ. चंदन सिंह यादव तथा संपादक पद पर डॉ. अशोक विजय निर्वाचित हुए। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के साथ-साथ चिकित्सकों की समस्याओं और हितों को प्राथमिकता से उठाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चिकित्सकों के विकास, कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं तथा उनके अधिकारों के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। संगठन को एकजुट रखते हुए सभी चिकित्सकों के हित में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता भी जताई गई। वहीं, उपविजेता डॉ. हरिराम गुप्ता ने भी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संगठन को जब भी उनकी आवश्यकता होगी, वह पूरी मजबूती के साथ संगठन के साथ खड़े रहेंगे। चुनाव के दौरान चिकित्सकों में खासा उत्साह देखने को मिला। पदाधिकारियों ने कहा कि चुनाव के बाद संगठन की प्राथमिकता चिकित्सकों के हितों की रक्षा करने और उनकी समस्याओं का समाधान कराने के लिए प्रभावी प्रयास करना होगी।

गोल्डन ट्यूलिप में सजा 'दक्षिण फ्लेवर्स', लखनऊ को मिल रहा दक्षिण भारतीय स्वाद का खास जायका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में गोल्डन ट्यूलिप होटल लखनऊ में 31 अगस्त से विशेष साउथ इंडियन फूड फेस्टिवल 'दक्षिण फ्लेवर्स-कोस्टल किचन के जादू को फिर से जीवंत करते हुए' शुरू हो गया है। 8 सितंबर तक चलने वाले इस फूड फेस्टिवल में मेहमानों को दक्षिण भारत की समृद्ध पाक परंपरा, पारंपरिक मसालों और कोस्टल किचन के प्रामाणिक स्वादों का अनुभव कराया जा रहा है। फेस्टिवल में आंध्र प्रदेश की पारंपरिक पाक विरासत के साथ दक्षिण भारतीय व्यंजनों की विविधता को विशेष रूप से प्रस्तुत किया गया है।

ताजा सामग्री, पारंपरिक मसालों और चयनित पाक तकनीकों से तैयार व्यंजनों को आधुनिक अंदाज में परोसा जा रहा है। फूड फेस्टिवल की प्रमुख सिग्नेचर डिशेज में मटन चूका बोनलेस, गुट्टू वंकाया कूरा, पथरानी फिश, आंध्रा कोडी पुलाव, फोलेहरा राइस और वेज हावले शामिल हैं। इन व्यंजनों में दक्षिण भारतीय मसालों और पारंपरिक पकाने की शैली का खास स्वाद देखने को मिल रहा है। गोल्डन ट्यूलिप लखनऊ के जनरल मैनेजर अमित सिंह चौहान ने कहा कि 'दक्षिण फ्लेवर्स' का उद्देश्य दक्षिण भारतीय और कोस्टल किचन की समृद्ध पाक विरासत को उसके प्रामाणिक स्वाद और पारंपरिक पहचान के साथ मेहमानों तक पहुंचाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि फूड फेस्टिवल मेहमानों को स्वाद के साथ दक्षिण भारत की पाक संस्कृति से जुड़ने का यादगार अवसर देगा। शेफ सीताराम मुलु ने बताया कि मेन्यू तैयार करते समय व्यंजनों के मूल स्वाद और पारंपरिक रेसिपी को बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया है। वहीं, फूड एंड बेवरेज मैनेजर राजा राम कुमार ने कहा कि फेस्टिवल के माध्यम से एक ही स्थान पर साउथ इंडियन फ्लेवर्स की विविधता का आनंद लेने का अवसर मिल रहा है। 8 सितंबर तक चलने वाले इस फेस्टिवल में लखनऊवासियों और फूड लवर्स को दक्षिण भारतीय एवं कोस्टल किचन के पारंपरिक स्वादों का लुत्फ उठाने का अवसर मिलेगा।

चार गोल्ड मेडल जीतकर प्रभा चन्द्रा ने बढ़ाया क्षेत्र का गौरव

सम्मान समारोह में वक्ताओं ने प्रतिभा को बताया देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली। प्रतिभा सदैव सम्मानित होती है और प्रतिभा की आभा से देश का भविष्य उज्जवल होता है। यह बात स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान में आयोजित गोल्ड मेडलिस्ट प्रभा चन्द्रा के विशेष सम्मान समारोह में आरडी वर्मा ने प्रतियोगियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मेहनत, लगन और निरंतर प्रयास के बल पर विद्यार्थी सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। इस दौरान देवेंद्र कश्यप 'निडर' ने कहा कि पुरस्कार मिलने के साथ व्यक्ति का उत्तरदायित्व भी बढ़ जाता है। प्रभा चन्द्रा की उपलब्धि पूरे सिधौली क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के कर कमलों से सिधौली क्षेत्र की प्रभा चन्द्रा को विश्वविद्यालय में टॉप करने और चार गोल्ड मेडल हासिल करने की उपलब्धि के लिए आरडी सोनकर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। सम्मान से अभिभूत प्रभा चन्द्रा ने कहा कि यह सम्मान उन्हें अपने दायित्वों का निरंतर स्मरण कराता रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका सपना आईएएस अधिकारी बनकर देश की सेवा करना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों के मार्गदर्शन एवं सहयोग को दिया। प्रभा चन्द्रा के पिता निर्मल चन्द्रा ने कहा कि उनकी बेटी ने सीतापुर का नाम रोशन किया है, जिससे पूरा परिवार गौरवान्वित और प्रसन्न है। समारोह का संचालन करते हुए डॉ. चन्द्रशेखर प्रजापति ने कहा कि प्रभा चन्द्रा क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने प्रभा चन्द्रा के उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की।

इस अवसर पर दीपक पाल, संजीव राजपूत, अविनाश रावत, पिंकू मौर्य, गोलू रावत, सचिन कश्यप, वैष्णवी बाजपेई, गोल्डी कनौजिया सहित बड़ी संख्या में प्रतियोगी, शुभचिंतक एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एनओसी के नाम पर पीडब्ल्यूडी-वन विभाग आमने-सामने, किसानों का फूटा गुस्सा

.....14वें दिन भी धरना जारी, अधिकारियों को मौके पर रोका; तीन सितंबर तक सक्षम अधिकारी को धरना स्थल पर लाने का अल्टीमेटम ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। कुबहरा सामुदायिक मिलन केंद्र पर सड़क निर्माण की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का धरना मंगलवार को 14वें दिन भी जारी रहा। वन विभाग की एनओसी को लेकर पीडब्ल्यूडी और वन विभाग के अधिकारियों के आमने-सामने आने से किसानों का आक्रोश भड़क उठा। किसानों ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को मौके पर रोक लिया। बाद में अधिकारियों ने उच्चाधिकारियों से वार्ता कर तीन सितंबर को दोपहर 12 बजे तक सक्षम अधिकारी को धरना स्थल पर भेजने का आश्वासन दिया, जिसके बाद किसान शांत हुए। बीते 27 अगस्त को दिए गए ज्ञापन के अनुसार मंगलवार को वन विभाग कार्यालय के घेराव का कार्यक्रम प्रस्तावित था। हालांकि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के बड़े भाई के निधन के चलते घेराव स्थगित कर दिया गया। शोक के कारण धरना स्थल पर माइक और नारेबाजी भी नहीं की गई। दोपहर करीब 12 बजे पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता सूर्यमणि मिश्रा अवर अभियंता के साथ धरना स्थल पहुंचे। कुछ देर बाद वन अधिकारी शुभी श्रीवास्तव भी वहां पहुंचीं। किसानों की मौजूदगी में दोनों विभागों के अधिकारियों के बीच बातचीत हुई। वार्ता में सामने आया कि पीडब्ल्यूडी की ओर से वन विभाग से अब तक एनओसी मांगी ही नहीं गई है। ऐसे में वन विभाग द्वारा एनओसी जारी करने का सवाल ही नहीं उठता। यह बात सामने आते ही किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने कहा कि 21 अगस्त को राजस्व, वन और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त टीम ने मौके पर नाप की थी। उस समय किसानों को भरोसा दिया गया था कि वन विभाग की एनओसी मिलते ही सड़क निर्माण शुरू करा दिया जाएगा। किसानों ने अधिकारियों के आश्वासन को छलावा बताते हुए पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को मौके पर ही रोक लिया। अधिकारियों ने किसानों को समझाते हुए कहा कि वे छोटे कर्मचारी हैं और सड़क निर्माण को लेकर अंतिम निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। इसके बाद उच्चाधिकारियों से वार्ता कर तीन सितंबर को दोपहर 12 बजे तक सक्षम अधिकारी को धरना स्थल पर लाने का आश्वासन दिया गया। जिला अध्यक्ष से फोन पर हुई वार्ता के बाद किसान शांत हुए। मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह ने चेतावनी दी कि निर्धारित समय पर सड़क निर्माण का निर्णय लेने में सक्षम अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचें। यदि ऐसा नहीं हुआ तो किसान पीडब्ल्यूडी कार्यालय का घेराव करने को मजबूर होंगे। इसकी जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी। धरने में प्रदेश महासचिव दिनेश यादव, मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह, जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार, जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, पुनवासी ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश कुमार, युवा ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र, केशवराम, प्रधान पति रामकुमार समेत सैकड़ों किसान महिला-पुरुष मौजूद रहे। किसानों के आक्रोश को देखते हुए नगराम थाना प्रभारी अजनी सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे।

तंबौर में हिंदुस्तान प्लाईवुड फैक्ट्री वा दो घरों पर जीएसटी अधिकारियों का छापा

तंबौर सीतापुर हिंदुस्तान फैक्ट्री के मालिक इसराइल अंसारी के आवास वा फैक्टरी में खंगाले दस्तावेज़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जानकारी मिलने पर पास पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए अधिकारियों ने फैक्ट्री परिसर में जांच के दरमियान कर्मचारियों और संबंधित रिकॉर्ड के बारे में जानकारी ली जांच टीम हिंदुस्तान प्लाईवुड फैक्ट्री के मालिक के आवास पर भी पहुंची जानकारी के अनुसार अधिकारियों की टीम आवास के अंदर पहुंची टीम ने यहां भी दस्तावेजों वा अभिलेखों की जांच पड़ताल की छापेमारी किस मामले को लेकर की गई है इसे लेकर फिलहाल सीबीआईसी अधिकारियों की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है कारवाई को लेकर स्थानीय लोगों में तरह तरह की चर्चाएं हैं

तंबौर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कस्बे के ही निवासी इसराइल अंसारी की हिंदुस्तान प्लाईवुड फैक्ट्री पर मंगलवार को दोपहर करीब एक बजे लखनऊ से आई जीएसटी विभाग की टीम ने छापे मारी की क़रीब एक दर्जन वाहनों के साथ पहुंची टीम ने फैक्ट्री परिसर में कारोबार से जुड़े दस्तावेजों , अभिलेखों, और अन्य कागज़ातों की जांच शुरू की काफिले के साथ आई कुछ गाड़ियों पर भारत सरकार लिखा हुआ था जीएसटी विभाग की टीम के अचानक पहुंचने से फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों में हलचल मच गई कार्रवाई की जानकारी मिलने पर पास पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए अधिकारियों ने फैक्ट्री परिसर में जांच के दरमियान कर्मचारियों और संबंधित रिकॉर्ड के बारे में जानकारी ली जांच टीम हिंदुस्तान प्लाईवुड फैक्ट्री के मालिक के आवास पर भी पहुंची जानकारी के अनुसार अधिकारियों की टीम आवास के अंदर पहुंची टीम ने यहां भी दस्तावेजों वा अभिलेखों की जांच पड़ताल की छापेमारी किस मामले को लेकर की गई है इसे लेकर फिलहाल सीबीआईसी अधिकारियों की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है कारवाई को लेकर स्थानीय लोगों में तरह तरह की चर्चाएं हैं हालांकि जांच पूरी होने के बाद ही छापेमारी की वजह और इसके दायरे से जुड़ी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी फ़िलहाल टीम फैक्ट्री और आवास में दस्तावेजों की जांच में जुटी है।

बमाया एवं कोटवाली नदी पुनर्जीवन' पुस्तक का प्रकाशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

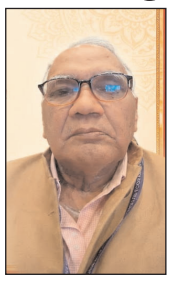

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 1 सितम्बर 2026: जल संरक्षण, नदी पुनर्जीवन और भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित पुस्तक 'बमाया एवं कोटवाली नदी पुनर्जीवन' का प्रकाशन नाटल्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। पुस्तक के लेखक जलपुरुष डॉ. राजेन्द्र सिंह, तरुण भारत संघ, राजस्थान तथा संपादक पर्यावरणविद् प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस), लखनऊ हैं। पुस्तक में वर्ष 2026 में बमाया एवं कोटवाली नदियों के पुनर्जीवन के अनुभवों को केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें भारतीय वैदिक ज्ञान, जल विज्ञान, भूजल पुनर्भरण, पर्यावरण संरक्षण, जल-प्रबंधन और जनभागीदारी के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पक्षों को समाहित किया गया है। पुस्तक के प्रकाशन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नदी संरक्षण को भारतीय परंपरा का महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व बताया। उन्होंने बमाया एवं कोटवाली नदियों के पुनर्जीवन को जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, पर्यावरण संतुलन और सामुदायिक सहभागिता का प्रेरक उदाहरण बताया तथा विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक विद्यार्थियों, शोधार्थियों, नीति-निर्माताओं और जल-पर्यावरण क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

एसएमएस के सचिव एवं सीईओ शरद सिंह ने इस पहल को भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक विज्ञान के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए डॉ. राजेन्द्र सिंह एवं दोनों अनुसंधान केंद्रों की टीम के प्रयासों की सराहना की। संपादक प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह ने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य दो नदियों के पुनर्जीवन का दस्तावेज प्रस्तुत करने के साथ-साथ जल संरक्षण को जन-अभियान बनाने और भारतीय जल-दृष्टि को आधुनिक विज्ञान एवं जनभागीदारी से जोड़ने का संदेश देना है। उन्होंने डॉ. राजेन्द्र सिंह, जलपुरुष, तरुण भारत संघ तथा एसएमएस के वैदिक विज्ञान केंद्र एवं सी.वी. रमन अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र के सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। एसएमएस परिवार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पुस्तक के प्रयासों की सराहना एवं शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

दरगाह हज़रत मखदूम सैय्यद अब्दुर्रहीम रहीमाबादी का उर्स संपन्न

हमें अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलानी चाहिएः- डॉक्टर आसिफ अली मुतवल्ली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। दरगाह रहीमिया रहीमाबाद मखदूम सैय्यद अब्दुर्रहीम के तीन दिवसीय उर्स के दूसरे दिन रात में जुलूस गागर दरगाह मुतवल्ली डॉक्टर सैय्यद आसिफ अली के घर से उठाया गया जिसे मजार पर पेश किया गया तत्पश्चात दमहफिले समा का आयोजन हुआ जिसमें देर रात तक कव्वालियां हुई इसके बाद तीसरे और अंतिम दिन दोपहर के बाद महफिले समा शुरू हुई और सांय काल कुल शरीफ़ हुआ इस अवसर पर मुतवल्ली डॉक्टर सैय्यद आसिफ अली ने कहा हमें अपने बुजुर्गों की शिक्षा पर अमल करना चाहिए तथा उनके आदर्श को अपने जीवन में उतारना चाहिए और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाएं तभी हम कामियाब हो सकते हैं क़ुल शरीफ़ के मौक़े पर दरगाह बड़े मखदूम साहब के सज्जादा नशीन शोएब मियां छोटे मखदूम साहब के सैय्यद मदनी मियां, तीर गांव बाराबंकी के सूफी सैय्यद इजहार अली, दरगाह कलंदरिया खैराबाद से सैय्यद लईक अहमद किरमानी, डॉक्टर सैय्यद रेहान रिज़वी,पप्पू मियां इलाहाबाद, शहाब आलम खां लखनऊ, हाजी सैय्यद इश्तियाक अली वारसी, नजमुल हसन गोदी बिसवा, सैय्यद माजिद अली, सैय्यद आरिफ अली एडवोकेट, मौलाना हसन साकिब उस्मानी,हाफिज अरसलान हसनी, हमज़ा सिद्दीकी,सैय्यद गुफरान रिजवी , सैय्यद कामरान रिज़वी,डॉक्टर सैय्यद मसरूर अली ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य सैय्यद इंतजार अली, तौहीद रिज़वी, हाफ़िज़ सैय्यद ताहिर किरमानी,डॉक्टर खालिद अली, गुलाम मीना,इमरान सिद्दीकी, शाहिद अली मोल्हे, सिराजुल हसन,समर अहमद अतीक अहमद आदि मौजूद थे।

संपादकीय

सप्तधारा से बनेगा विकसित भारत

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का खाका देश के सामने रखा। स्वतंत्रता दिवस समारोह में संपूर्ण 'वंदे मातरम्' के गायन के साथ देश ने आत्मनिर्भर और सक्षम भारत के निर्माण का संकल्प दोहराया। वर्ष 2022 में दिए गए 'पंच प्रण' के बाद अब 'सप्तधारा' यानी सामर्थ्य की सात धाराओं को विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला के रूप में प्रस्तुत किया गया है। 'सप्तधारा' को केवल सरकारी योजनाओं का समूह नहीं, बल्कि आर्थिक, तकनीकी, रणनीतिक और सामाजिक क्षमता को मजबूत करने वाली व्यापक सोच के रूप में देखा जा रहा है। इसके सात प्रमुख स्तंभ विनिर्माण, कृषि एवं खाद्य उत्पादन, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, गति शक्ति, रक्षा शक्ति, हरित एवं नीली अर्थव्यवस्था तथा साफ्ट पावर हैं। सप्तधारा का पहला स्तंभ विनिर्माण है। 'मेक इन इंडिया', 'स्वदेशी' और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे अभियानों के जरिए घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2014-15 में देश का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन करीब 1.9 लाख करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 12 लाख करोड़ रुपये हो गया। मोबाइल फोन के उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उत्पादन करीब 18 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 5.45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का दावा किया गया है। मोबाइल निर्यात में भी कई गुना वृद्धि हुई है। इससे भारत के आयात पर निर्भर देश से वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र बनने की दिशा में बढ़ने का संकेत मिलता है। विकसित भारत की परिकल्पना में कृषि और खाद्य उत्पादन को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और कृषि क्षेत्र को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक 2013-14 में बागवानी उत्पादन 280.7 मिलियन टन था, जो बढ़कर 367.7 मिलियन टन हो गया है। मत्स्य उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। कृषि-खाद्य निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी बढ़ने से कृषि क्षेत्र में मूल्यवर्धन और निर्यात की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। सप्तधारा का तीसरा प्रमुख स्तंभ प्रौद्योगिकी और नवाचार है। भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पिछले एक दशक में तेजी से विकसित हुआ है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 2014 से पहले देश में करीब 350 मान्यता प्राप्त स्टार्टअप थे, जबकि अब इनकी संख्या 2.3 लाख से अधिक हो चुकी है। यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। भारत दुनिया के प्रमुख स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्रों में शामिल है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 6जी, क्वांटम तकनीक और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को भविष्य की अर्थव्यवस्था का आधार बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। पीएम गति शक्ति योजना के तहत देश में सड़क, रेल, बंदरगाह और अन्य परिवहन माध्यमों को आपस में जोड़कर मल्टीमॉडल संपर्क व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हाई-स्पीड कॉरिडोर का नेटवर्क भी तेजी से विस्तारित हुआ है। भारत दुनिया के सबसे बड़े सड़क नेटवर्क वाले देशों में शामिल है। रेलवे के विद्युतीकरण में भी बड़ी प्रगति हुई है। हाइड्रोजन ट्रेन जैसी पहल स्वच्छ और आधुनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। सप्तधारा का अगला महत्वपूर्ण स्तंभ रक्षा शक्ति है। भारत लंबे समय तक रक्षा उपकरणों के बड़े आयातकों में रहा, लेकिन अब घरेलू रक्षा उत्पादन और निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। रक्षा उत्पादन में पिछले वर्षों में वृद्धि हुई है और रक्षा निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। स्वदेशी रक्षा तकनीक, आधुनिक हथियार प्रणालियों और नई पीढ़ी की रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास के जरिए भारत अपनी सामरिक क्षमता मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती के बीच हरित अर्थव्यवस्था को सप्तधारा में प्रमुख स्थान दिया गया है। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में पिछले वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सौर ऊर्जा के विस्तार के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। गैस ग्रिड का विस्तार, स्वच्छ ऊर्जा और परमाणु ऊर्जा की संभावनाओं को बढ़ाना ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दूसरी ओर समुद्री संसाधनों, मत्स्य पालन और तटीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देकर नीली अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। सप्तधारा का अंतिम स्तंभ भारत की साफ्ट पावर है। योग, आयुर्वेद, संस्कृति, पर्यटन, कला और रचनात्मक उद्योगों के जरिए भारत अपनी वैश्विक पहचान को मजबूत कर रहा है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भारतीय स्थलों की संख्या बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस दुनिया के अनेक देशों में मनाया जाता है। आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के प्रति भी वैश्विक रुचि बढ़ी है। पर्यटन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था से जुड़े आयोजनों के जरिए भारत अपनी सांस्कृतिक और आर्थिक क्षमता को दुनिया के सामने रखने का प्रयास कर रहा है। 'सप्तधारा' की अवधारणा का मूल उद्देश्य भारत की आर्थिक, तकनीकी, रक्षा और सांस्कृतिक क्षमता को एक साथ मजबूत करना है। विनिर्माण से रोजगार और निर्यात, कृषि से खाद्य एवं आर्थिक सुरक्षा, तकनीक से नवाचार, गति शक्ति से बुनियादी ढांचा, रक्षा से सामरिक आत्मनिर्भरता, हरित अर्थव्यवस्था से टिकाऊ विकास और साफ्ट पावर से वैश्विक प्रभाव बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। विकसित भारत का लक्ष्य केवल आर्थिक आंकड़ों में वृद्धि तक सीमित नहीं है। इसके लिए रोजगार, शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, कृषि, तकनीक और सामाजिक अवसरों को भी मजबूत करना जरूरी होगा। 'सप्तधारा' इन सभी क्षेत्रों को एक व्यापक विकास दृष्टि से जोड़ने का प्रयास है। अब चुनौती इन लक्ष्यों को योजनाओं और घोषणाओं से आगे ले जाकर जमीनी स्तर पर प्रभावी परिणाम में बदलने की होगी।

मेष-आज ऊर्जा और आत्मविश्वास में वृद्धि महसूस होगी। लंबे समय से अटका कोई काम आगे बढ़ सकता है और नए विचारों पर काम करने का अवसर मिलेगा। बातचीत में संयम रखें और आर्थिक निर्णय जल्दबाजी में न लें। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ-आज मन थोड़ा शांत और निजी समय की ओर झुका रह सकता है। कामकाज में प्रगति धीमी लेकिन स्थिर रहेगी। घर-परिवार से जुड़ी कोई बात खुशी दे सकती है। खर्च करते समय संतुलन बनाए रखें और स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त आराम करें।

मिथुन-सामाजिक संपर्क और नए लोगों से मुलाकात आपके लिए लाभदायक हो सकती है। बातचीत में आत्मविश्वास रहेगा, लेकिन किसी भी विवाद में अनावश्यक रूप से उलझने से बचें। कार्यक्षेत्र में धैर्य के साथ आगे बढ़ें और निजी संबंधों में भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

कर्क-कामकाज में नई सक्रियता दिखाई देगी और जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभाने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में आत्मविश्वास रहेगा, लेकिन बड़े फैसलों में सावधानी जरूरी है।

सिंह-आज आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता मजबूत रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी बात और प्रयासों को महत्व मिल सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन रखें और लेन-देन करते समय सतर्क रहें।

कन्या-पहले किए गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे प्रगति होगी, इसलिए अधीर होने से बचें। खर्चों पर नियंत्रण रखें और निजी संबंधों में जल्दबाजी से कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य के प्रति भी सजग रहें।

तुला-आज रिश्तों में विश्वास और समझ बढ़ सकती है। आमदनी या काम से जुड़े मामलों में सकारात्मक संकेत मिलेंगे। दिनचर्या को व्यवस्थित करने और नई योजनाओं पर काम करने के लिए समय अनुकूल है। किसी जरूरी बातचीत में शब्दों का चयन सोच-समझकर करें।

वृश्चिक-आज कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास बना रहेगा और किसी महत्वपूर्ण काम में सफलता मिल सकती है। नए विचार सामने आएंगे, लेकिन भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें। आर्थिक मामलों में स्थिरता की दिशा में कदम बढ़ सकते हैं। परिवार और स्वास्थ्य दोनों के लिए समय निकालें।

धनु-घर-परिवार का माहौल सुखद रहेगा और मन को राहत मिलेगी। किसी योजना, पढ़ाई या निजी काम पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलेगा। यात्रा या संपत्ति से जुड़ा कोई विचार सामने आ सकता है। साझेदारी और रिश्तों में बातचीत के दौरान धैर्य बनाए रखें।

मकर-आज संवाद और बातचीत के माध्यम से कई काम आसान हो सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के सामने अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और बड़े फैसले सोच-समझकर करें। परिवार और जीवनसाथी के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ-आर्थिक मामलों में राहत या सकारात्मक प्रगति के संकेत मिल सकते हैं। नए विचारों पर काम करने की प्रेरणा मिलेगी और कार्यक्षेत्र में सक्रियता बनी रहेगी। रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ सकता है।

मीन-आज मन पहले की अपेक्षा अधिक हल्का और सकारात्मक महसूस हो सकता है। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और कोई नया विचार आपको उत्साहित कर सकता है। आराम और पर्याप्त नींद पर ध्यान दें। पढ़ाई, यात्रा या दूरस्थ स्थान से जुड़े किसी काम में प्रगति संभव है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में आर्थिक विकास दर ने चौंकाया

दिनांक 31 अगस्त 2026 को सायंकाल में केंद्र सरकार ने भारत के वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकड़े जारी किए हैं। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष सहित अन्य वैश्विक संस्थानों, एसोचेम, भारतीय रिजर्व बैंक आदि के अनुमानों को धत्ता बताते हुए अप्रेल-जून 2026 की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि, उक्त संस्थानों ने उक्त अवधि में 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त वृद्धि दर वैश्विक स्तर पर विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के बीच हासिल हुई है, इसलिए भारत के लिए यह एक मील का पत्थर साबित होगी। रूस-यूक्रेन युद्ध तो बहुत लम्बे समय से चल रहा है, ईरान-अमेरिका/इजराईल युद्ध भी इस तिमाही में जारी रहा, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। एक समय तो कच्चे तेल की कीमतें 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गई थीं। ज्ञातव्य हो कि भारत अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ओफ होर्मुज को बंद करने के पश्चात इस मार्ग से गुजरने वाले तेल के जहाजों को रोक दिया गया था एवं कच्चे तेल की आपूर्ति पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ा था। परंतु, भारत ने इस दयनीय स्थिति को बहुत ही सूझ बूझ के साथ सम्भाला और अन्य कई देशों से तेल एवं गैस का आयात जारी रखा, जिससे भारत में न तो तेल की आपूर्ति कम हुई और न ही भारत में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। जबकि अन्य कई देशों में तो पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत के युवाओं (जेन-जी) को इस बात को समझना होगा कि भारत आज आर्थिक विकास के जिस दौर से गुजर रहा है, वह बहुत ही संवेदनशील है। यदि देश में किसी भी प्रकार की अराजकता फैलायी जाती है तो आर्थिक विकास की पटरी से भारत डीरेल हो सकता है। आगे आने वाले 10 वर्षों तक भारत यदि विकास दर की इसी ट्रेजेक्टरी में अपने आप को बनाए रखने में सफल होता है तो भारत के वर्ष 1947 में विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार होने से कोई रोक नहीं सकता है। अर्थ के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अप्रेल-जून 2026 तिमाही में सराहनीय वृद्धि दर हासिल की गई है। सकल मूल्य संवर्धन में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही है जो अप्रेल-जून 2025 की तिमाही में 7 प्रतिशत की रही थी। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर पिछले वर्ष की तिमाही में 8.3 प्रतिशत की रही थी जो इस वर्ष की तिमाही में बढ़कर 9.2 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार सेवा के क्षेत्र में भी आर्थिक विकास दर इस वर्ष की प्रथम तिमाही में बढ़कर 10 प्रतिशत पर पहुंच गई जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 8 प्रतिशत रही थी। भारत की अर्थव्यवस्था उपभोग आधारित है, अतः निजी उपभोग में इस वर्ष की तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 6.8 प्रतिशत रही थी। सकल स्थिर पूंजी निर्माण में भी अतुलनीय 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में केवल 5.8 प्रतिशत की रही थी। इसी प्रकार, रोजगार निर्मित करने वाले क्षेत्रों में भी विकास दर प्रभावशाली रही है। वित्तीय क्षेत्र में वृद्धि दर 12.1 प्रतिशत की दर्ज हुई है तो व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की गई है। साथ ही गैस एवं विजली उत्पादन में भी वृद्धि दर 8.9 प्रतिशत की रही है।वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में सराहनीय विकास दर हासिल करने को केंद्र सरकार की योजनाओं की सफलता के रूप में भी देखा जा सकता है। केंद्र सरकार ने मेक इन इंडिया नामक योजना को तेजी से आगे बढ़ाया है और इसने भारत को कई क्षेत्रों में आत्म निर्भर बनाने का कार्य सफलतापूर्वक किया है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल भुगतान, फिन टेक, इंजिनीयरिंग डिजाइन, व्यापार परामर्श, वैश्विक ग्लोबल योग्यता सेंटर, आदि क्षेत्रों में भारत आज पूरे विश्व में लीड कर रहा है। मेक इन इंडिया योजना ने भारतीय नागरिकों में जोश भरा और भारत की प्रतिभा का डंका पूरे विश्व में बज गया है। दूसरे, भारत में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना को भी लागू किया गया। इस योजना ने भारत को उपभोक्ता बाजार से निकालकर मजबूत वैश्विक विनिर्माण हब में बदल दिया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 14 प्रमुख क्षेत्रों में करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है, 16.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कुल उत्पादन हुआ है एवं 12 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए। इसके उपरांत प्रारम्भ हुई प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत सड़क, रेल, बंदरगाह, एयरपोर्ट और लाजिस्टिक को पहली बार इंटीग्रेटेड तरीके से जोड़ने की कोशिश की गई। समर्पित मालवाहक गलियारों का निर्माण तो इस दृष्टि से मील का पत्थर साबित हुए हैं। नए एक्सप्रेस वे ने माल ढुलाई का समय घटाया। लागत को कम किया और भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया। 86,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात इस सफलता की कहानी को दर्शाता है। निर्यात में अतुलनीय वृद्धि दर उस समय पर हासिल की गई है जब अमेरिका की टैरिफ नीति ने पूरे विश्व को परेशान किया हुआ है। साथ ही, रूस यूक्रेन युद्ध, ईरान इजराईल-अमेरिका युद्ध, इजराईल हमास युद्ध एवं वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का बने रहना भी शामिल है। इन परिस्थितियों के बीच भारत ने उत्पादों एवं सेवा के क्षेत्र में निर्यात का रिकार्ड बनाया है। जबकि कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती बनी हुई है। भारत के कुल निर्यात में सेवा क्षेत्र की कुल हिस्सेदारी तेजी से बढ़ रही है। यदि भारत को चीन जैसी विनिर्माण क्षेत्र की ताकत बनाना है तो भारत को हाई वैल्यू मैन्युफेक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, मशीनरी, और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के क्षेत्र को और अधिक मजबूत करना होगा। घरेलू उत्पाद बढ़ाकर न केवल उत्पादों के आयात को कम किये जाने का प्रयास किया जा रहा है बल्कि वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेसरी भी बढ़ाई जा रही है। भारत में हाल ही में आई मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक क्रांति का भी इसमें बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2014 में भारत में केवल 2 मोबाइल उत्पादन इकाईयां कार्यरत थीं। आज भारत मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता देश बन गया है। ऐपल की फ्लेगशिप कम्पनी अब मैन्युफेक्चरिंग इन इंडिया की ओर आगे बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन 2014-15 के 1.9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 13.11 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। रक्षा के क्षेत्र में भी उत्पादन एवं निर्यात तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। रक्षा के क्षेत्र में भारत अपनी छोटी मोटी जरूरतों के लिए अन्य देशों की ओर देखता था आज वह फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाईल का निर्यात कर रहा है। कई अफ्रीकी देशों को मेड इन इंडिया हेलिकोप्टर निर्यात कर रहा है। अब देश की कुल जरूरत का लगभा 65 प्रतिशत रक्षा उत्पाद देश में ही निर्मित हो रहा हैं। जो रक्षा उत्पादन वर्ष 2014-15 में 46,429 करोड़ रुपए का था वह 2025-26 में बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपए के रिकार्ड स्तर पर पहुंच चुका है। रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच चुका है। आज रक्षा के क्षेत्र में विभिन्न उत्पादों का निर्यात 100 से अधिक देशों को किया जा रहा है।

मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा: भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ। न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है।भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज के विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय भारत का अनुभव यह बताता है कि भिन्नताओं को मिटाना आवश्यक नहीं, उन्हें सम्मान देकर भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही विचार भागवत के संबोधन को सामान्य राजनीतिक भाषण से ऊपर उठाता है। उनका आग्रह था कि विविधता को स्वीकार ही नहीं, सम्मान और संरक्षण भी मिलना चाहिए। संघ की सार्वजनिक छवि का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक विमर्श से निर्मित हुआ है, जबकि संघ स्वयं को सामाजिक संगठन और सेवा-आधारित सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भागवत ने अमेरिका में भी सेवा, सामाजिक समरसता और संवाद को परिवर्तन का आधार बताया। यही वह बिंदु है जहां संघ की छवि को केवल चुनावी राजनीति के चश्मे से देखने की सीमा सामने आती है। किसी संगठन को समझने के लिए उसके राजनीतिक प्रभाव के साथ उसकी सामाजिक गतिविधियों, सेवा-कार्य, संगठनात्मक संस्कृति और वैचारिक आधार को भी देखना आवश्यक है। भागवत की यात्रा ने कम से कम इतना अवसर अवश्य दिया कि संघ को उसके अपने शब्दों और उसके सरसंघचालक की प्रत्यक्ष व्याख्या के आधार पर सुना जाए। अमेरिका में बसे भारतीयों से भागवत ने एक संतुलित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रह रहे हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और वहां के प्रति उनकी निष्ठा तथा दायित्व सर्वोपरि हैं। साथ ही भारत उनकी जन्मभूमि है, जिससे उन्हें मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों की विरासत मिली है। यह दृष्टि प्रवासी भारतीयों के सामने पहचान के संघर्ष के बजाय पहचान के समन्वय का मार्ग रखती है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना और जिस समाज में रह रहे हैं उसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखना-दोनों एक साथ संभव हैं। यही भारतीय संस्कृति की उदारता है। यह भी तथ्य है कि भागवत के कार्यक्रम का अमेरिका में विरोध हुआ और संघ की विचारधारा को लेकर तीखी आलोचनाएं सामने आईं। लेकिन लोकतांत्रिक समाज में किसी विचार का उत्तर उसे दबाकर नहीं, उसके साथ संवाद करके दिया जाता है। इस दृष्टि से यह यात्रा संघ के लिए भी एक परीक्षा थी। भागवत ने विरोध का उत्तर आक्रामक भाषा में देने के बजाय एकात्मता, मानवता और सह-अस्तित्व की बात की। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। आलोचक उनके शब्दों और संघ के व्यवहार के बीच अंतर का प्रश्न उठा रहे हैं, समर्थक इसे संघ के मूल विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति मान रहे हैं। इस बहस का अंतिम निर्णय समय और व्यवहार करेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि बहस अब अधिक प्रत्यक्ष और वैश्विक हो गई है। मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को संघ की छवि पर वर्षों से चले आ रहे विवाद का अंतिम उत्तर मानना अतिशयोक्ति होगी। किंतु इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ अवश्य कहा जा सकता है। जिन लोगों ने संघ को केवल राजनीतिक आरोपों और विरोधी व्याख्याओं के माध्यम से जाना है, उन्हें पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर उसके शीर्ष नेतृत्व की विचार-दृष्टि को सीधे सुनने का अवसर मिला। यह यात्रा संघ के लिए एक उजाला इसलिए बनी है कि इसमें प्रतिरक्षा की भाषा कम और आत्मविश्वास की भाषा अधिक दिखाई दी। इसमें यह कहने का प्रयास था कि भारतीयता किसी के निषेध से नहीं, सबके सम्मान से मजबूत होती है, हिंदुत्व किसी समुदाय के बहिष्कार से नहीं, मानवता की एकात्म दृष्टि से सार्थक होता है और भारत की शक्ति उसकी समानता में नहीं, उसकी विविधताओं के बीच बनी रहने वाली सांस्कृतिक एकता में है। आज विश्व को केवल आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति की आवश्यकता नहीं है। उसे ऐसा जीवन-दर्शन भी चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके। भागवत के अमेरिकी संबोधन में भारत की इसी भूमिका की कल्पना दिखाई दी-एक ऐसा भारत जो अपनी परंपरा के बल पर विश्व को सह-अस्तित्व, संवाद और एकात्मता का रास्ता दिखा सके। मोहन भागवत की यह यात्रा इसलिए स्मरणीय रहेगी कि उसने संघ के बारे में चल रही बहस को भारत की सीमाओं से निकालकर विश्व के सार्वजनिक विमर्श में पहुंचा दिया। अब संघ की पहचान केवल उसके विरोधियों के आरोपों या समर्थकों के दावों से नहीं, बल्कि उसके विचार, उसके व्यवहार और समाज के साथ उसके संवाद से तय होगी। अंततः किसी विचारधारा की सबसे बड़ी शक्ति उसका प्रचार नहीं, उसका आचरण होता है। अमेरिका की धरती से भागवत ने जो संदेश दिया है, उसकी वास्तविक कसौटी भारत की धरती पर सामाजिक समरसता, सेवा, संवाद और सह-अस्तित्व के रूप में दिखाई देगी।

क्या विस्तार के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा बदल पाएगा भारत?

भारत की राजधानी नई दिल्ली 12 और 13 सितंबर को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगी। भारत मंडपम में होने वाला यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था तेजी से बदल रही है, पश्चिम एशिया में तनाव बना हुआ है और दुनिया आर्थिक एवं रणनीतिक रूप से अलग-अलग धड़ों में बंटती दिखाई दे रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने ब्रिक्स के विस्तारित स्वरूप को एकजुट रखने और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने की बड़ी चुनौती होगी। करीब दो दशक पहले गठित ब्रिक्स अब पांच देशों के समूह से बढ़कर 11 सदस्यीय मंच बन चुका है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया भी इसके सदस्य हैं। इसके अलावा सम्मेलन के विस्तारित सत्रों में बिम्सटेक, आसियान, अफ्रीकी संघ और खाड़ी सहयोग परिषद समेत विभिन्न क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों की भागीदारी भी होगी। भारत ने इस वर्ष एक जनवरी को ब्राजील से ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली थी। भारत की अध्यक्षता की थीम मजबूती, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर तय की गई है। नई दिल्ली ने अपनी प्राथमिकताओं को 'मानवता सर्वोपरि' की भावना और मानव-केंद्रित विकास के दृष्टिकोण से जोड़ने का प्रयास किया है। भारत की अध्यक्षता के दौरान देश के 25 शहरों में 350 से अधिक मंत्री स्तरीय, कार्य समूह और अन्य बैठकें आयोजित की गईं। इनमें राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय व्यवस्था तथा सांस्कृतिक और जनस्तरीय संपर्क जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। शिखर सम्मेलन को इन बैठकों के बाद होने वाला सबसे महत्वपूर्ण आयोजन माना जा रहा है। खास बात यह है कि ब्रिक्स के विस्तार के बाद यह नेताओं का पहला पूर्ण स्तर का शिखर सम्मेलन होगा। नई दिल्ली के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना होगी कि विस्तारित ब्रिक्स की भूमिका आखिर क्या हो। रूस और चीन ब्रिक्स को वैश्विक व्यवस्था में पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देने और जी-7 के प्रभाव का मुकाबला करने वाले मंच के रूप में देखते रहे हैं। दोनों देश पश्चिमी प्रतिबंधों और मौजूदा सुरक्षा गठबंधनों के विकल्प के तौर पर ब्रिक्स की भूमिका बढ़ाने की वकालत करते रहे हैं। इसके विपरीत भारत ब्रिक्स को पश्चिम-विरोधी गठबंधन के रूप में बदलने के पक्ष में नहीं है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर कई मौकों पर भारत की स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं कि ब्रिक्स 'गैर-पश्चिमी' हो सकता है, लेकिन उसे 'पश्चिम-विरोधी' नहीं बनना चाहिए। भारत का जोर संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी वैश्विक संस्थाओं में सुधार पर है। नई दिल्ली चाहती है कि ब्रिक्स मौजूदा वैश्विक संस्थाओं को कमजोर करने के बजाय उनमें सुधार की आवाज को मजबूत करे। भारत के लिए ब्रिक्स सम्मेलन केवल बहुपक्षीय बैठक नहीं, बल्कि जटिल कूटनीतिक संतुलन का भी मंच होगा। चीन के साथ सीमा विवाद और आर्थिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारत ब्रिक्स में उसके साथ काम करता है। दूसरी ओर रूस भारत का पुराना रणनीतिक साझेदार है, जबकि अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ भी भारत के आर्थिक, रक्षा और तकनीकी संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। भारत की खास स्थिति यह है कि वह ब्रिक्स के साथ-साथ क्वाड का भी सक्रिय सदस्य है। क्वाड में भारत के अलावा अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। ऐसे में नई दिल्ली एक ओर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, तकनीक और रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाती है तो दूसरी ओर रूस, चीन और ईरान के साथ ब्रिक्स के मंच पर भी संवाद करती है। ब्रिक्स के विस्तार के बाद चीन की भूमिका और प्रभाव को लेकर भी भारत सतर्क है। भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव कम करने के लिए सैन्य और राजनयिक स्तर पर बातचीत हुई है, लेकिन दोनों देशों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा, सीमा सुरक्षा और दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव जैसे मुद्दे अब भी चुनौती बने हुए हैं। भारत की कोशिश होगी कि चीन विस्तारित ब्रिक्स को केवल अपनी क्षेत्रीय और वैश्विक रणनीतिक प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के मंच के रूप में इस्तेमाल न करे। नई दिल्ली चाहती है कि ब्रिक्स के एजेंडे में विकासशील देशों की साझा आर्थिक और सामाजिक चिंताओं को प्राथमिकता मिले। भारत के लिए ब्रिक्स सम्मेलन 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। विकासशील देशों के सामने कर्ज, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, तकनीकी पहुंच, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक वित्तीय संस्थाओं में प्रतिनिधित्व जैसे कई मुद्दे हैं। भारत इन मुद्दों को ब्रिक्स के साझा एजेंडे में प्रमुखता देकर अपनी वैश्विक कूटनीतिक भूमिका मजबूत करना चाहता है। हालांकि, विस्तारित ब्रिक्स में अलग-अलग देशों के राजनीतिक और आर्थिक हितों को एक साथ लाना आसान नहीं होगा। ब्रिक्स के विस्तार ने इस समूह की आर्थिक और राजनीतिक क्षमता को निश्चित रूप से बढ़ाया है, लेकिन इसे एक प्रभावी वैकल्पिक वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में बदलना अभी बड़ी चुनौती है। सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं, राजनीतिक व्यवस्थाओं और विदेश नीति की प्राथमिकताओं में काफी अंतर है। भारत के लिए सफलता का पैमाना यह होगा कि वह इन मतभेदों के बावजूद ब्रिक्स को ऐसा मंच बनाए, जहां वैश्विक आर्थिक सुधार, विकासशील देशों की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी सहयोग जैसे मुद्दों पर ठोस सहमति बन सके।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

ग्रामीण स्टेडियम का निर्माण का हुआ भूमि पूजन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्राम सभा क्षेत्र ललितपुर के विकास खण्ड-जखौरा के ग्राम पंचायत-लखनपुरा(भौंरसिल) जनपद-ललितपुर में ग्रामीण स्टेडियम का निर्माण कार्य, लागत रू0 853.57 लाख से किया जा रहा है। जिसका भूमिपूजन/शिलान्यास रामरतन कुशवाहा, सदर विधायक ललितपुर, श्रीमती रमा निरंजन, एम0एल0सी0, कैलाश नारायण निरंजन, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं चन्द्रशेखर पंथ, मंत्री प्रतिनिधि द्वारा किया गया।

सदर विधायक द्वारा कहा गया कि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चन्द्र यादव, के द्वारा जनपद ललितपुर को ग्रामीण स्टेडियम का स्वीकृत किया जाना जनपद एवं इस क्षेत्र के विकास के लिए मूल्यावान धरोहर है। इस क्षेत्र की जनता के लिए, तथा खेल जगत के लिए स्टेडियम की सुविधा प्रदान करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। इस ग्रामीण स्टेडियम के शिलान्यास करते समय मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि ग्रामीण स्टेडियम बनने से विधानसभा सदर क्षेत्र ललितपुर, कस्बा बांसी एवं बांसी से लगे ग्राम पंचायतें-लखनपुरा, नंदनवारा, विधाखेत, गढ़िया आदि के युवा खिलाड़ियों को अपना हुनर निखारने हेतु यहा पर अवसर प्राप्त होगें। स्टेडियम के बगल में निर्मित अमृत सरोवर को तरणताल के रूप में विकसित किये जाने हेतु भी आगामी समय में सार्थक प्रयास किये जायेगे।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन एवं आह्व में कहा कि ग्रामीण स्टेडियम बनने से क्षेत्र वासियों में खेल के प्रति जागरूकता बढेगी एवं इस खेल परिसम्पत्ति को अधिक से अधिक उपयोग कर खेल के जगत में अपना एवं क्षेत्र का नाम ऊचा करने का अवसर प्राप्त होगा।

सदस्य विधान परिषद द्वारा समस्त क्षेत्रवासियों को ग्रामीण स्टेडियम बनने की बधाई दी एवं यहाँ अभ्यास करके विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते हुये जनपद स्तर से मण्डल स्तर, मण्डल स्तर से राज्य स्तर एवं अन्य उच्च स्तरों पर जनपद का नाम रोशन करें। सरकार की योजना है कि प्रत्येक विकास खण्ड में जमीन उपलब्ध होने पर एक-एक स्टेडियम का निर्माण कराया जाये।

मंत्री प्रतिनिधि द्वारा उद्बोधन में कहा गया कि आज इस ग्रामीण स्टेडियम का भूमिपूजन/शिलान्यास हो रहा है जब यह बनकर तैयार हो जायेगा तब युवा खिलाडी एवं खेल प्रेमियों के लिये अत्यन्त उपयोगी साबित होगा। इस क्षेत्र के लिये एवं पूरे जनपद के लिये यह एक गौरव पूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी।

इस अवसर अधिशासी अभियंता, यू0पी0आर0एन0एस0 सुनील कुमार वर्मा, यू0पी0आर0एन0एस0 सहायक अभियंता मु0 तनवीर, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी जखौरा श्रीमती प्रसून गुबरेले, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी तालबेहट शैलेन्द्र सिंह, अवर अभियंता, यू0पी0आर0एन0एस0 योगेश चन्द्र उपस्थित रहें। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन मेराज अहमद खान द्वारा किया गया।

कच्चे धागों के पक्के रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन

काव्य गोष्ठी में रक्षाबंधन पर सुनाई गई कविताएं

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

साहित्य भारती समिति की मासिक काव्य गोष्ठी पं0 सुखनंदन तिवारी की अध्यक्षता में मूरत सिंह मेमोरियल स्कूल में संपन्न हुई, सर्वप्रथम माँ सरस्वती जी चित्र के सामने पुष्प अर्पित एवं पूजा-अर्चना करते हुए सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गयी। अनिरुद्ध सिंह राठौर ने हिन्दी है अपनी आन और बान, हिन्दी भाषा राष्ट्र रहे, रचना प्रस्तुत की गयी जिसे बहुत सराहा गया! 'मस्जिद को तुम मत हाथी समझो 'मुकुट बिहारी रिछारिया, इसी क्रम में हरदेव रावत ने मन ने मन को समझाया फिर भी दिल कमजोर किया, रचना प्रस्तुत की जिसे करतल ध्वनि से सराहा गया, कवि प्रभु दयाल पटेरिया ने गुरु महिमा पर विचार विमर्श किया गया, रामेश्वर प्रसाद सोनी ने पैसे फेंको तमाशा देखो रचना प्रस्तुत की, हल करन चंचल ने कहा खर्चा पूरे होए न हमारे नेक कमाई माँ कमर तोड़ महगाई माँ, पर तालियां बटोरी क्षमाधर प्रसाद ' 'क्षमा' ने रक्षाबंधन पर रचना प्रस्तुत की कि तीन रंग में सजी सरहद पर जाऊँगी,बंध सैनिक कलाई धर्म निभाऊगी जिसे करताल ध्वनि से सराहा गया, राजेश कुमार तिवारी ने बुन्देलखंडी में कविता पाठ किया। कार्यक्रम में शामिल रचनाकारों ने सामाजिक विकास अंधविश्वास पाखंड पर कटाक्ष करते हुए रचनाओं से समा बांधा इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष महिपाल सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में संचालक कैलाश नारायण सिसौदिया सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

घर से बाइक लेकर निकले दुकानदार की हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई मौत

ललितपुर। शहर के मोहल्ला आजादपुरा में रहने वाला एक दुकानदार बिगत देर शाम अपने घर से खाना खाकर बाइक लेकर निकला था और हाईवे पर किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह सड़क हादसे का शिकार हो गया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची डायल से 112 पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर मृतक की पहचान करवाई और उसका विवरण लेकर उसके परिजनों को सूचित किया। इसके बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला आजादपुरा निवासी निवासी 38 वर्षीय महेश झा पुत्र किशोरी लाल टीकमगढ़ में अपनी बहन के घर पिछले करीब 3 सालों से रह रहा था और वहीं पर लोहे के सामान बनाने का कारोबार करता था। बताया गया है कि 2 दिन पूर्व वह ललितपुर आया था और सोमवार की रात्रि करीब 9:00 बजे अपने घर से खाना खाकर बाइक लेकर कहीं गया हुआ था। इसके बाद पुलिस के माध्यम से उसके परिजनों को सूचना मिली कि सागर नेशनल हाईवे पर स्थित ग्राम मसौरा के पास महेश को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे, जिससे उसकी पहचान हुई। जिसकी बात पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। यह जानकारी मृतक के चाचा फूलचंद ने दी।

तेज रफ्तार थार अनियंत्रित होकर पलटी, छह तीर्थयात्री बाल-बाल बचे

तालबेहट। झांसी-ललितपुर के बीच एनएच-44 पर ग्राम कड़ेसरा कलां के पास पवासेन बोर्ड के समीप शुक्रवार को तेज रफ्तार थार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार करीब आधा दर्जन तीर्थयात्री बाल-बाल बच गए। सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित बताए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, थार कार क्रमांक एमपी 20 जेडडी 0111 में सवार यात्री राजस्थान स्थित खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने के बाद जबलपुर लौट रहे थे। पवासेन बोर्ड के पास अचानक कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। सभी तीर्थयात्रियों के सकुशल होने से लोगों ने राहत की सांस ली। हादसे में थार कार के अगले हिस्से और शीशों को काफी नुकसान पहुंचा है।

भारतीय जनता पार्टी की कामकाजी बैठक आयोजित एवं मण्डल अध्यक्षों का हुआ स्वागत

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

भारतीय जनता पार्टी की कामकाजी बैठक आज जिला कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने की एवं संचालन जिला मंत्री एवं कार्यक्रम सह संयोजक ध्रुव सिंह सिसौदिया ने किया। जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने जानकारी दी कि आगामी विधानसभा चुनाव को द्रष्टिगत रखते हुए आज का विषय गंभीर है क्योंकि पार्टी अब सौ प्रतिशत कार्यकर्ताओं की सक्रियता चाहती है । उन्होंने कहा कि पार्टी के जिला पदाधिकारियों, मंडल पदाधिकारियों,प्रवासी, संयोजक, सहसंयोजक सब को स्पष्ट निर्देश है कि जम कर कार्य करना है । उन्होंने कहा कि मण्डल की प्रत्येक बैठक में उसकी सम्पूर्ण जानकारी प्रवासी द्वारा उच्च नेतृत्व को दी जायेगी। इसके अलावा सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उस क्षेत्र में रहने वाले हमें अपने बरिष्ठ कार्यकर्ताओं और पुराने कार्यकर्ताओं से भी निरन्तर सम्पर्क रख कर उन की सहभागिता सुनिश्चित करानी हैं।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए जिला महामंत्री हरीराम सिंह लोधी एड ने बताया की आज की महत्वपूर्ण बैठक आगामी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी साझा करने के लिए बुलाई गई है।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने विभिन्न कार्यक्रमों को सफल बनाने एवं मन की बात कार्यक्रम की सौ प्रतिशत सफलता पर कार्यक्रम की शुरुआत में मंडल अध्यक्षों का स्वागत किया गया और उनके कार्य की सराहना की गई। स्वागत किये जानें बाले मण्डल अध्यक्षों में भगतसिंह राठौर,शैलेंद्र सिंह बुंदेला,देवी सिंह बुंदेला, कृपालु सिंह लोधी, दीपेन्द्र सिंह लोधी, रामगोपाल विश्वकर्मा,बृजेश सिंह लोधी एड, रामस्वरूप निरंजन,नीरज पटैरिया, रामगोपाल विश्वकर्मा, देवेन्द्र तिवारी, मुकेश पाल आदि उपस्थित रहे । अन्त में कार्यक्रम जिला सह संयोजक रुचिका बुन्देला ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत, कार्यक्रम संयोजक व जिला महामंत्री हरीराम सिंह लोधी एड, रजनी अहिरवार, जिला कोषाध्यक्ष मनीष सड़ैया,, जिला उपाध्यक्ष अरविंद कौशिक, महेश श्रीवास्तव भैया, रुचिका बुन्देला, रजनी घनश्याम साहू, उमाशंकर भोंड़ेले, अवतार सिंह लोधी एड, रमेश कुमार कुशवाहा नझाई, जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र गुरु, जिला मंत्री दीपक पाराशर, ध्रुव सिंह सिसौदिया,पूजा रैकवार, प्रभूदयाल इ,मिहरवान सिंह पटेल, सुनीता पंथ, शशि शेखर पांडेय, मनविंदर कौर, ,रुपेश साहू,बंशीधर श्रीवास,आशीष रावत,डा दीपक चौबे, मुन्ना लाल रजक,सन्तोष कुशवाहा बलराम सिंह लोधी, सुशील अग्निहोत्री, गौरव चौधरी, सुदामा दुबे,धर्मेंद्र पाठक, देवेन्द्र गुप्ता, अरुण द्विवेदी, प्रमोद नायक,अमन सोनी, रोहित रावत, राहुल श्रीवास, विनोद मिश्रा, पुष्पेन्द्र लोधी, रामप्रताप सिंह, रोहित गुप्ता, राहुल मिश्रा, कृष्ण प्रताप सिंह, प्रान सिंह लोधी,सोवरन सिंह, कृष्ण कांत, पुष्पराज सिंह, विपिन निरंजन,माधव राजपूत, सुशील विश्वकर्मा,आदि उपस्थित रहे।

सदस्य, पिछड़ा वर्ग आयोग ने जन चौपाल से फरियादियों की सुनी पीड़ा, अफसरों को मौके पर दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य कुलदीप शर्मा द्वारा विकासखण्ड जखौरा के ग्राम खुरा में जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में मान्नीय सदस्य द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्वावस्था पेंशन, निश्राश्रित महिला पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, छात्रवृत्ति योजना, शौचालय निर्माण, प्राथमित स्वास्थ्य केन्द्र, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, आंगनबाड़ी केन्द्र सहित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में ग्रामवासियों से विस्तृत चर्चा की गयी।

जन चौपाल में खण्ड विकास अधिकारी जखौरा, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी कृषि, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण, ग्राम विकास अधिकारी ग्राम खुरा, सहायक स्थास्थ्य अधिकारी, पर्यवेक्षक स्वास्थ्य, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। चौपाल के दौरान ग्रामवासियों द्वारा ग्राम में एक अन्त्येष्टि स्थल तथा सड़क निर्माण की मांग की गयी। इस पर खण्ड विकास अधिकारी द्वारा आवश्वासन दिया गया कि बरसात के पश्चात् अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य प्रारम्भ करा दिया जायेगा। सदस्य कुलदीप शर्मा ने चौपाल में कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क एवं आवास जैसी मूलभूत आवश्यकताएं प्रत्येक नागरिक तक पहुॅचनी चाहिए। जिसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकासकी सुविधाएँ पहुॅचाने के लिए प्रतिबद्ध है। जनचौपाल में ग्रामवासियों ने योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर अपनी समस्याओं को रखा तथा सरकार की जनहितैषी योजनाओं की सराहना की। चौपाल के अंत में मान्नीय सदस्य पिछड़ा वर्ग आयोग के द्वारा सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिये।

'जो सपनों को हकीकत बना देते हैं वही युवा देश का भविष्य बना देते हैं : प्रभाकर सक्सेना उर्फ पवित्र

युवाओं में आत्मविश्वास जगाने एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी की जन्म शताब्दी एवं अखंड दीप के शताब्दी वर्ष 2026 की वेला में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे विशिष्ट अतिथियों द्वारा परम पूज्य गुरुदेव के सूक्ष्म संवर्धन में युवाओं में आत्मविश्वास जगाने एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका निर्धारित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय जिला स्तरीय युवा चेतना कार्यशाला का आयोजन 30 अगस्त 2026 दिन रविवार को दोपहर 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक श्री गायत्री शक्ति ललितपुर पर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रीतम सिंह राजपूत के संचालन में शांतिकुंज प्रतिनिधियों द्वारा मां गायत्री परम पूज्य गुरुदेव एवं परम वंदनीय माताजी के चित्र के समीप दीप प्रज्ज्वलन ,देव आवाहन तिलक एवं माल्यार्पण किया गया। इसके बाद कु.ओजस्वी श्रीवास्तव द्वारा एक बंदना गीत 'गुरु की छाया में शरण जो पा गया, उसके जीवन में सुमंगल आ गया, प्रस्तुत किया। इसके तत्पश्चात गायत्री शक्ति के परिजनों द्वारा शांतिकुंज से पधारे हुए प्रतिनिधियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इसी क्रम में शांतिकुंज प्रतिनिधियों द्वारा नींव के पत्थर के रूप में वरिष्ठ परिजनों का सम्मान किया गया। कु०ओजस्वी श्रीवास्तव ने युवा चेतना कार्यशाला के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन के लिए एक क्रांति गीत 'युवा चेतना तू हिमालय शिखर है' प्रस्तुत किया। शांतिकुंज युवा प्रकोष्ठ प्रांतीय प्रतिनिधि प्रभाकर सक्सेना उर्फ पवित्र जी द्वारा युवाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि 'जो सपनों को हकीकत बना देते हैं वही युवा देश का भविष्य बना देते हैं 'हमारा युवा आत्म बल से संपन्न होना चाहिए सोच करके देखें कि हमारे पास भगवान ने क्या-क्या देकर के भेजा है। ऐसा कोई दुनिया का जीव नहीं जिसके पास हमारे जैसा शरीर हो हमें मनुष्य जीवन के रूप में एक सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भगवान ने 84 लाख प्राणी और भी बनाए हैं पर जितनी मेहनत के साथ, जितने परिश्रम के साथ, जितनी भावना के साथ ,जितनी योग्यता के साथ, जितनी काबिलियत के साथ इंसान को बनाया, आपको, हमको बनाया ,उतना शायद किसी अन्य प्राणियों को नहीं बनाया। यदि हम लोग चाहे तो यह कह सकते हैं कि भगवान ने इंसान को अपने फेवरेट चाइल्ड के रूप में बनाया है। उन्होंने भक्त प्रहलाद, गुरु गोविंद सिंह ,सरदार भगत सिंह के जीवन पर आधारित छोटी-छोटी कहानियां एवं दृष्टांत उदाहरण युवा साथियों के समक्ष विचार स्वरूप प्रस्तुत किया। तत्पश्चात शांतिकुंज प्रतिनिधि, जोनल प्रभारी आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ीआंवलखेड़ा एवं नारी उत्कर्ष अभियान झांसी से श्रीमती किरण श्रीवास्तव ने कहा कि नारी में संस्कार शक्ति और संवेदना का जागरण ही युग निर्माण की दिशा है। भारतीय संस्कृति का आधार स्तंभ भारतीय नारी को कहा जा सकता है भारतीय नारी ने अपने प्राणों को गंवाने के बाद भी भारतीय संस्कृति केपावन प्रवाह अविरल एवं अक्षय बनाए रखा है। शांतिकुंज प्रतिनिधि एवं उपजोन प्रभारी युवा समन्वयक झांसी संजीव खरे ने युवाओं के उत्साहवर्धन हेतु कहां की माता-पिता की बहुत सारी संताने होती हैं उसमें से कोई एक हमारी फेवरेट चाइल्ड होती है उसकी प्यारी संतान होती है कल को जब हम बड़े हो जाएंगे तो हमारी जगह पर कार्यभार और देखरेख करता रहेगा। शांतिकुंज प्रतिनिधि युवा प्रकोष्ठ श्री पंकज भारद्वाज ने बच्चों के बीच मोबाइल की दौड़, टेलीग्राम ,फेसबुक आदि के माध्यम से हो रहे दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया । गायत्री शक्ति पीठ जिला ललितपुर के मीडिया प्रभारी सावन असाटी ने युवा पीढ़ी के समक्ष राणा सांगा का उदाहरण प्रस्तुत किया जिसके शरीर में 108 घाव हो जाने के साथ साथ एक हाथ, एक पैर,एक हाथ कट जाने के बाद भी सभी युद्धों में सफलता प्राप्त की एवं अंतिम युद्ध के समय उनके मृत शरीर को देखते ही सभी सैनिक मैदान छोड़कर भाग गए जैसे उदाहरणों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हमारे वरिष्ठ कार्यकर्ता लक्ष्मी चंद्र अग्रवाल, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, राजेंद्र सूर्येश, कैलाश नारायण सिसौदिया, महिपाल सिंह सिसोदिया, रविंद्र खरे, पन्नालाल झा, जगभान सिंह बुंदेला, देशराज वकील साहब, बमलू पाल, हरचरन सिंह नरवरिया, राकेश राजपूत, शोभाराम मिश्रा, कपूर सिंह, यज्ञेश श्रीवास्तव, विजय राठौर, लक्ष्मण पंथ, सुशील श्रीवास्तव, नरेन्द्र गुप्ता, नीरज शर्मा, बृजेश शर्मा, पूरनलाल एवं महिला मंडल से श्रीमती संगीता श्रीवास्तव, श्रीमती गायत्री श्रीवास्तव, श्रीमती चेष्टा श्रीवास्तव, श्रीमती दीपमाला, श्रीमती मंजू, श्रीमती स्मिता राठौर ने अपना विशेष सहयोग एवं योगदान प्रदान किया।अंत में प्रमुख ट्रस्टी अमित श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त कर,उपस्थित सभी नव युवाओं का पुष्प वर्षा के माध्यम से उत्साह वर्धन करते हुए शांति पाठ, विदाई एवं कार्यक्रम का समापन किया।

दावनी गांव में मारपीट का आरोप, पीड़ित ने नामजद लोगों पर लगाए गंभीर आरोप

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के ग्राम महाराजपुरा निवासी रघुनाथ सिंह पुत्र जोधन सिंह ने ग्राम दावनी थाना जाखलौन निवासी प्रसन्न लोधी एवं जगत लोधी पुत्र प्रताप सिंह पर गाली-गलौज एवं मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़ित रघुनाथ सिंह के अनुसार गत 29 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 2 बजे वह अपनी छोटी बहू प्रीति पत्नी छत्रपाल लोधी को छोड़ने ग्राम दावनी आया था। इसी दौरान प्रसन्न लोधी और जगत लोधी वहां पहुंचे और उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। पीड़ित ने जब गाली देने से मना किया तो आरोप है कि दोनों ने उसके साथ मारपीट कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद उसने संबंधित थाना पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पीड़ित के अनुसार अभी तक कोई उचित कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित का उपचार वर्तमान में जिला चिकित्सालय में चल रहा है। उसने पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के उचित कानूनी कार्रवाई किए जाने तथा अपनी सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है।

शराब के लिए 500 रुपये मांगे

बानपुर के कैलंगुवा स्थित किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप पर वारदात

मोबाइल भी तोड़ा 13 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के कैलंगुवा स्थित किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप पर शराब के लिए रुपये मांगने और मना करने पर सेल्समैन के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दबंगों ने सेल्समैन से शराब पीने के लिए 500 रुपये मांगे। रुपये देने से इनकार करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों और लात-घूंसों से उसकी पिटाई कर दी। इतना ही नहीं, उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया। राहगीरों के बीच-बचाव करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। ग्राम ककरैला निवासी यशपाल सिंह यादव पुत्र राघवेन्द्र सिंह यादव कैलंगुवा स्थित किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के पद पर कार्यरत हैं। यशपाल सिंह के मुताबिक 31 अगस्त 2026 की दोपहर करीब 2.30 बजे वह पेट्रोल पंप पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान उनके गांव का ही बृजेश पुत्र देवेंद्र यादव वहां तेल डलवाने पहुंचा। आरोप है कि उसी समय ग्राम पुराधनकुंआ निवासी लाल सिंह उर्फ विवेक पुत्र निब्बू अहिरवार और सौरभ पुत्र धनीराम अहिरवार अपने साथ करीब 11 अन्य लोगों को लेकर दो मोटरसाइकिलों और एक बोलेरो से पेट्रोल पंप पर पहुंचे। आरोपियों ने यशपाल सिंह से शराब पीने के लिए 500 रुपये मांगे। रुपये देने से मना करने पर आरोपी भड़क गए और यशपाल सिंह व बृजेश के साथ गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर हमलावरों ने यशपाल सिंह की लात-घूंसों और लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। इस दौरान उनका वीवो 25 मोबाइल फोन भी तोड़ दिया गया। मारपीट के कारण पेट्रोल पंप पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया। मारपीट और शोरगुल सुनकर वहां से गुजर रहे राजू पुत्र स्व. किसन लाल कोरी निवासी नई बस्ती ललितपुर तथा सिवेन्द्र सिंह पुत्र कमल सिंह यादव निवासी ककरैला मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कराया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के संबंध में यशपाल सिंह यादव की तहरीर पर थाना बानपुर पुलिस ने लाल सिंह उर्फ विवेक, सौरभ समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं 191(2), 115(2), 352, 351(3) और 324(4) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

मूंग खरीद का लक्ष्य बढ़ाकर 4000 क्विंटल करने की मांग

लक्ष्य कम होने से किसानों को खुले बाजार में कम दाम पर उपज बेचने की मजबूरी

ललितपुर। जिले में चल रही मूंग खरीद के लिए निर्धारित लक्ष्य को बढ़ाने की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। संगठन के प्रदेश सचिव लाखन सिंह पटेल ने किसानों के हित में मूंग खरीद का लक्ष्य बढ़ाकर कम से कम 4000 क्विंटल किए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में जिले में किसानों से मूंग खरीद का कार्य संचालित किया जा रहा है, लेकिन निर्धारित खरीद लक्ष्य किसानों के पंजीकरण और उपलब्ध उपज की तुलना में काफी कम है। इसके चलते पंजीकृत किसानों की उपज की खरीद प्रभावित हो रही है और किसानों को अपनी मूंग बेचने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन के अनुसार, पूर्व में उत्तर प्रदेश सहकारी जूट एवं कृषि विकास संघ लिमिटेड (जेफेड) की ओर से 700 क्विंटल मूंग खरीद का अतिरिक्त लक्ष्य दिया गया था। इसके लिए यूनियन ने शासन और संबंधित विभाग का आभार जताया, लेकिन किसानों के पंजीकरण और उपलब्ध उपज को देखते हुए यह अतिरिक्त लक्ष्य भी अपर्याप्त बताया गया है। ज्ञापन में कहा गया कि वर्तमान में मेसर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड में करीब 40 किसानों का मूंग बिक्री के लिए पंजीकरण हो चुका है। पंजीकृत किसान निर्धारित क्रय केंद्र पर अपनी उपज बेचने की उम्मीद लगाए हुए हैं। हालांकि खरीद का लक्ष्य कम होने के कारण किसानों के सामने उपज बेचने का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में कई किसानों को खुले बाजार में कम कीमत पर मूंग बेचने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। भाकियू अराजनैतिक ने जिलाधिकारी से मांग की है कि किसानों की संख्या और उपलब्ध उपज को ध्यान में रखते हुए मेसर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के लिए जेफेड द्वारा निर्धारित मूंग खरीद का लक्ष्य बढ़ाकर कम से कम 4000 क्विंटल किया जाए। इससे अधिक से अधिक किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा और शासन की मंशा के अनुरूप किसानों को समर्थन मूल्य का लाभ मिल सकेगा।

टीचर्स सेल्फ केयर टीम ने सांसद, राज्यमंत्री और शिक्षक विधायक के प्रतिनिधियों को सौंपा मांग पत्र

सेवानिवृत्ति के बाद भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा जारी रखने और शिक्षक के परिजन की मृत्यु पर 15 दिन के विशेष अवकाश की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

टीचर्स सेल्फ केयर टीम द्वारा जिलाध्यक्ष आदर्श रावत के नेतृत्व में शिक्षकों एवं कर्मचारियों से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर जनप्रतिनिधियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र सौंपा गया। टीम ने शिक्षकों एवं कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए सेवानिवृत्ति के बाद भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा जारी रखने तथा शिक्षक के परिजन की मृत्यु होने पर 15 दिन का विशेष अवकाश प्रदान किए जाने की मांग उठाई। टीम पदाधिकारियों ने सांसद प्रतिनिधि दिनेश गोस्वामी, राज्यमंत्री के भाई तथा शिक्षक विधायक प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी को मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा। प्रतिनिधियों ने मांग पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए टीचर्स सेल्फ केयर टीम की मांगों को उचित बताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों की इन मांगों को मुख्यमंत्री तक अवश्य पहुंचाया जाएगा और हर स्तर पर इनके समाधान के लिए प्रयास किया जाएगा। इस दौरान जनप्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों ने टीचर्स सेल्फ केयर टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षकों द्वारा छोटे-छोटे आर्थिक योगदान के माध्यम से जरूरतमंद शिक्षक परिवारों को इतना बड़ा सहयोग उपलब्ध कराना सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक सहयोग को संभव बनाने के लिए टीएससीटी के सभी पदाधिकारी और सदस्य बधाई के पात्र हैं। टीम पदाधिकारियों ने कहा कि कैशलेस चिकित्सा सुविधा शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद भी स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें बनी रहती हैं। ऐसे में सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ निरंतर मिलना चाहिए। साथ ही परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु की स्थिति में शिक्षक को पर्याप्त समय देने के लिए 15 दिन के विशेष अवकाश की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान नवनीत प्रकाश मंडल प्रवक्ता, ऋषभ जैन ब्लॉक अध्यक्ष बार, संजीव गिदरौनिया, रत्नेश चौरसिया, हेमंत तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

रजवारा में पुलिया और खडेरा में पक्के नाले का निर्माण कराने की मांग

झअधिवक्ता राहुल शर्मा ने डीएम को सौंपा शिकायती पत्र

झक्रिटिकल गैप्स योजना में कार्य स्वीकृत कराने की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

तहसील सदर क्षेत्र के ग्राम रजवारा में तालाब के समीप मंदिर के सामने पुलिया निर्माण तथा ब्लॉक जखौरा की ग्राम पंचायत खडेरा में नाले के पक्के निर्माण की मांग को लेकर कालपी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं अधिवक्ता पं.राहुल शर्मा ने जिलाधिकारी सत्य प्रकाश को शिकायती पत्र सौंपा है। उन्होंने दोनों कार्यों को जनहित से जुड़ा बताते हुए क्रिटिकल गैप्स योजना के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल कर स्वीकृति दिलाए जाने की मांग की है। शिकायती पत्र में उन्होंने बताया कि ग्राम रजवारा में तालाब के बगल स्थित मंदिर के सामने पुलिया निर्माण को लेकर वह पूर्व में कई बार प्रार्थना पत्र दे चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक पुलिया निर्माण के लिए धनराशि अवमुक्त नहीं की गई है। उनका आरोप है कि संबंधित खंड विकास अधिकारी द्वारा पुलिया निर्माण स्थल की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट लगाने के बजाय किसी अन्य स्थान की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। उन्होंने इस रिपोर्ट पर असंतोष जताते हुए मामले की फिर से जांच कराकर वास्तविक स्थल की रिपोर्ट तैयार कराने की मांग की है। इसी प्रकार उन्होंने विकास खंड जखौरा ग्राम पंचायत खडेरा में हाली कुमार के घर के पास नाले के पक्के निर्माण का मामला भी उठाया है। उनके अनुसार इस कार्य के लिए भी पूर्व में क्रिटिकल गैप्स योजना के तहत प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन वित्तीय वर्ष 2025-26 में बजट उपलब्ध न होने का हवाला देकर कार्य नहीं कराया जा सका। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि दोनों स्थानों की समस्याओं को जनहित में गंभीरता से लेते हुए संबंधित कार्यों की स्थलीय जांच कराई जाए तथा ग्राम रजवारा में पुलिया और ग्राम खडेरा में नाले के पक्के निर्माण को क्रिटिकल गैप्स योजना के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में स्वीकृत कराकर निर्माण कार्य कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन और जल निकासी की समस्या से राहत मिल सके।

एंबुलेंस में सवार होकर आए चोर, फार्म से 14 बकरियां चोरी

नई तहसील के पीछे नदीपुरा आजाद चौक में वारदात

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र में चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए एंबुलेंस का इस्तेमाल कर सनसनी फैला दी। नई तहसील के पीछे नदीपुरा आजाद चौक क्षेत्र में स्थित बकरा-बकरी पालन के फार्म से अज्ञात चोर 14 बकरियां चोरी कर ले गए। चोरी की इस घटना से पशुपालकों में चिंता और रोष का माहौल है। नदीपुरा आजाद चौक निवासी तौसीफ रजा पुत्र मु. इरशाद बकरा-बकरी पालन का कार्य कर अपनी आजीविका चलाते हैं। उनकी ओर से थाना कोतवाली में दी गई तहरीर के मुताबिक 30 अगस्त 2026 की रात अज्ञात चोर उनके फार्म पर पहुंचे। आरोप है कि चोर अपने साथ एक एंबुलेंस लेकर आए थे और फार्म में मौजूद 14 बकरियों को उसमें लादकर मौके से फरार हो गए। सुबह फार्म पर पहुंचने पर बकरियां गायब मिलीं तो तौसीफ रजा ने आसपास तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद उन्होंने घटना की सूचना थाना कोतवाली पुलिस को दी। तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

टेनगा गांव के कारिसा रपटा (पुल) के पास विशालकाय मगरमच्छ देखे जाने से ग्रामीणों में फैली दहशत

ग्रामीणों ने मगरमच्छ का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर जिला प्रशासन से मदद की लगाई गुहार

बरसात के कारण नदी में कहीं से मगरमच्छ के बहकर आने की आशंका

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सदर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम टेनगा के कारिसा रपटा (पुल) के पास पानी में एक विशालकाय मगरमच्छ की उपस्थिति ने गांव के ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के इलाकों में हलचल पैदा कर दी। जब मगरमच्छ पानी में विचरण कर रहा था, तभी वहां पर ग्रामीण और उसका वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर जिला प्रशासन के साथ-साथ वन विभाग से इस मामले

में ठोस कदम उठाते हुए मगरमच्छ का रेस्क्यू कर बडे जलाशय में छोड़ने की अपील की है। हालांकि सूचना मिलने पर वन विभाग के कर्मचारी कार्यवाही में जुट गए।

जनपद में इन दिनों बरसात का मौसम चल रहा है और पिछले कई दिनों से लगातार बारिश होने के कारण कई नदी नाले और बांध उफान पर हैं, जिनसे बड़े पैमाने पर पानी की निकासी भी की जा रही है। बताया गया है कि इसी बरसात के बीच ग्राम टैंनगा के पास स्थित कारिसा रपटा (पुल) के पास भरे पानी में एक विशालकाय मगरमच्छ को चहल कदमी करते हुए वहां से आने जाने वाले आसपास के ग्रामीणों ने मंगलवार को देखा, तो इलाके में एक हलचल सी हुई । यह बात जब आसपास के इलाकों और गांव में फैली तब लोगों में एक अजीब सा डर देखा गया और कुछ जिम्मेदार लोगों ने पानी और आसपास के क्षेत्र में स्थानीय ग्रामीणों से न जाने की अपील भी की। इस दौरान कुछ ग्रामीणों ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसमें स्पष्ट रूप से मगरमच्छ पानी में चहलकदमी करता हुआ देखा जा रहा है। वीडियो वायरल कर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के साथ-साथ वन विभाग से इस मामले में ठोस कदम उठाते हुए पानी में चहल कदमी कर रहे मगरमच्छ का रेस्क्यू ऑपरेशन कर उसे बड़े जलाशय या बांध में छोड़ने की अपील की है। हालांकि वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को जैसे ही गांव के पास स्थित जलाशय में मगरमच्छ होने की सूचना मिली, वैसे ही उन्होंने रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा, जो मगरमच्छ की खोजबीन में जुट गई है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक मगरमच्छ का रेस्क्यू नहीं किया जा सका था। अब इस मामले में देखने वाली बात है होगी कि मगरमच्छ का रेस्क्यू कब तक किया जाता है। लेकिन वन विभाग ने लोगों को आगे किया कि जब तक मगरमच्छ का रेस्क्यू नहीं हो जाता, तब तक कोई भी व्यक्ति जलाशय और उसके आसपास के इलाकों में न जाए, नहीं तो कोई बड़ी घटना घट सकती है। हालांकि वन विभाग की टीम पल-पल की निगरानी कर रही है।

बेटी की सफलता स्वयं के संघर्ष और पिता के संस्कारों की जीत

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

ब्लाक बिरधा स्थित ग्राम टेंगना के किसान परिवार से निकलकर अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष के बल पर स्वयं शिक्षक बने भगवत सिंह राजपूत ने यह साबित कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और शिक्षा के प्रति समर्पण से कोई भी सपना असंभव नहीं है।

भगवत सिंह राजपूत ने न केवल अपने जीवन को शिक्षा के माध्यम से नई दिशा दी, बल्कि अपने तीनों बेटा-बेटियों को भी उच्च शिक्षा दिलाकर सरकारी सेवाओं में चयनित होने का गौरव प्राप्त किया। साथ में अपने सभी भाइयों के परिवार के बेटा, बेटियों को भी शिक्षित कर रोजगार पूर्ण बनाकर गौरव हासिल किया। उनके एक बेटे निरभान सिंह राजपूत का कुछ साल पहले पुलिस विभाग में वर्दी पहनकर देश-सेवा के लिए चयन, एक बेटी संजना राजपूत का शिक्षक के रूप में चयन और अब इसी वर्ष उनकी दूसरी बेटी कामना सिंह राजपूत का ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पद पर चयन पूरे परिवार के साथ-साथ ग्राम टेंगना, क्षेत्र और जनपद के लिए गर्व का विषय है। भगवत सिंह की बेटी कामना सिंह राजपूत की शादी 3 वर्ष पहले मड़ावरा के पास डोंगरा खुर्द में एक किसान परिवार में शिक्षा ग्रहण कर रहे दीपेन्द्र सिंह राजपूत के साथ हुई थी। शादी के बाद भी कामना ने हिम्मत नहीं हारी और अपनी पढ़ाई लिखाई पर ध्यान दिया। यह शानदार उपलब्धि उन हजारों-लाखों बेटियों के लिए प्रेरणा है, जो मेहनत और शिक्षा के दम पर अपने सपनों को साकार करना चाहती हैं।

संक्षिप्त खबरें

बरौदा स्वामी में कूलर के करंट की चपेट में आने से कक्षा 6 की छात्रा की हुई मौत

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरोदा स्वामी में घर में खेल रही कक्षा छठवीं की 11 वर्षीय छात्र अचानक घर में ही लगे कूलर के करंट की चपेट में आ गई, जिससे वह बेहोश हो गई। उसके परिजनों ने उसे तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखौरा में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरी परीक्षण के दौरान छात्रा को मृतक घोषित कर दिया। हालांकि परिजनों ने मृतक छात्रा का पोस्टमार्टम नहीं कराया और उसका ऐसे ही अंतिम क्रिया कर दी। ग्राम बरोदा स्वामी निवासी सुखदेव सिंह की 11 वर्षीय बेटी आराध्या सिंह कक्षा 5 की छात्रा थी। आराध्या चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर की थी। बताया गया है कि मंगलवार सुबह करीब 7:30 बजे वह घर में कूलर के पास से निकल रही थी। इसी दौरान कूलर में आए करंट की चपेट में बच्ची आ गई और वह मौके पर ही बेसुध होकर गिर पड़ी। उक्त हादसा होते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने आनन- फानन में बच्ची को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखौरा पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद आराध्या को मृत घोषित कर दिया। अनुमान लगाया जा रहा है कि हो रही बरसात से कलर में नमी पहुंची हो और इसी नमी के कारण उसमें करंट आ गया हो। हालांकि परेशान होने बच्ची का पोस्टमार्टम नहीं कराया और उसका ऐसे ही अंतिम संस्कार कर दिया।

शोक सम्वेदनाएँ

तालबेहट। कस्बा के संभ्रांत नागरिक राहुल, अरुण कुमार, वरुण बिलगैंया के पिता राजेन्द्र कुमार बिलगैंया के आकस्मिक निधन पर सकल ब्राह्मण समाज ने शोक व्यक्त करते हुए शोक व्यक्त करते ईश्वर से शांति की कामना की। वहीं दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र पावागिरि क्षेत्र प्रबंध समिति की शोक सभा में सेवानिवृत्त अध्यापक सरोज जैन मड़ावरा की धर्मपत्नी सुरेश चंद, प्रमोद कुमार, प्रसन्न जैन भंडारी की भाभी एवं पत्रकार सौरभ जैन, गौरव जैन, अमित कुमार, शुभम, समर्थ, पारस जैन की पूजनीय ताई जी श्रीमती श्रेष्ठी सीमा जैन के आकस्मिक निधन पर सकल जैन समाज गहरा शोक व्यक्त किया। इसके अलावा कस्बा के मलियाना निवासी लतीफ, खलील, बसीर खान के वालिद हफीज खान के इंतकाल पर मुस्लिम समाज ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए खुदा से जन्नत अता की दुआ की।

सदस्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने खुरा में जन चौपाल लगाकर फरियादियों की सुनी पीड़ा अफसरों को मौके पर दिये निर्देश

ललितपुर । राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के मान्नीय सदस्य कुलदीप शर्मा जी द्वारा विकासखण्ड जखौरा के ग्राम खुरा में जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में सदस्य द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्वावस्था पेंशन, निश्राश्रित महिला पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, छात्रवृत्ति योजना, शौचालय निर्माण, प्राथमित स्वास्थ्य केन्द्र, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, आंगनबाड़ी केन्द्र सहित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में ग्रामवासियों से विस्तृत चर्चा की गयी। जन चौपाल में खण्ड विकास अधिकारी जखौरा, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी कृषि, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण, ग्राम विकास अधिकारी ग्राम खुरा, सहायक स्थास्थ्य अधिकारी, पर्यवेक्षक स्वास्थ्य, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। चौपाल के दौरान ग्रामवासियों द्वारा ग्राम में एक अन्त्येष्टि स्थल तथा सड़क निर्माण की मांग की गयी। इस पर खण्ड विकास अधिकारी द्वारा आवश्वासन दिया गया कि बरसात के पश्चात् अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण कार्य प्रारम्भ करा दिया जायेगा। सदस्य कुलदीप शर्मा जी ने चौपाल में कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क एवं आवास जैसी मूलभूत आवश्यकताएं प्रत्येक नागरिक तक पहुँचनी चाहिए।

अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा

माफिया रमेश खटीक की 97.19 करोड़ की संपत्ति कुर्क

» कानपुर जोन की तीन माह की समीक्षा में ललितपुर में अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई

» आईजीआरएस में भी जिले का शानदार प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

रमेश खटीक के परिवार पर पुलिस-प्रशासन का बड़ा एक्शन

ललितपुर में चिन्हित बड़े माफिया और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सुभाषपुरा निवासी रमेश खटीक पुत्र मटरूलाल और उसके परिवार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। रिपोर्ट के अनुसार रमेश खटीक और उसके परिवार के सदस्यों जितेन्द्र खटीक पुत्र रमेश खटीक, जयश्री उर्फ पिन्की पत्नी जितेन्द्र कुमार खटीक तथा राजकुमार खटीक पुत्र रमेश खटीक के खिलाफ कुल 15 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। अपराधिक गतिविधियों से अर्जित बताई गई संपत्ति के विरुद्ध पुलिस-प्रशासन ने 8 और 9 फरवरी को कार्रवाई करते हुए कुल 97,19,06,198 रुपये, यानी करीब 97.19 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति के जब्तीकरण/कुर्की की कार्रवाई की। करोड़ों रुपये की इस कार्रवाई को अपराधियों की आर्थिक कमर तोडने की दिशा में बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। इस कार्रवाई से जिले में आपराधिक गतिविधियों और अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित करने वालों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। पुलिस प्रशासन की ओर से अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रखने पर जोर दिया जा रहा है।

आईजीआरएस में ललितपुर ने हासिल की पहली रैंक

अपराध नियंत्रण के साथ-साथ आम जनता की शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में भी ललितपुर पुलिस का प्रदर्शन बेहतर रहा। उत्तर प्रदेश शासन की आईजीआरएस (जनसुनवाई समाधान प्रणाली) की मासिक समीक्षा में ललितपुर को शीर्ष रैंक हासिल करने वाले जनपदों में स्थान मिला। जून 2026 की समीक्षा में कानपुर जोन के आठ जनपदों में से ललितपुर समेत पांच जनपदों ने प्रथम रैंक प्राप्त की। वहीं जुलाई 2026 की समीक्षा में भी बेहतर प्रदर्शन जारी रहा। इस माह कानपुर जोन के आठ जनपदों में से ललितपुर समेत सात जनपदों ने प्रथम रैंक हासिल की।

अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ के नेतृत्व में कानपुर जोन के आठ जनपदों में पिछले तीन माह के दौरान अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई और सराहनीय कार्यों की समीक्षा रिपोर्ट जारी की गई है। 23 मई 2026 से 31 अगस्त 2026 तक की इस समीक्षा में ललितपुर जनपद में अपराधियों के खिलाफ की गई बड़ी कार्रवाई के साथ ही जनसुनवाई शिकायतों के निस्तारण में जिले के बेहतर प्रदर्शन की तस्वीर सामने आई है। कानपुर जोन में शामिल कानपुर देहात, इटावा, औरैया, फतेहगढ़, कन्नौज, झांसी, जालौन एवं ललितपुर समेत सभी आठ जनपदों में अपराध नियंत्रण, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई तथा जनसमस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं।

तीन माह की समीक्षा में पुलिस की ओर से अपराधियों के खिलाफ की गई कानूनी कार्रवाई, अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों पर कार्रवाई और आम नागरिकों की शिकायतों के निस्तारण को प्रमुखता दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराध नियंत्रण के साथ ही जनता को त्वरित न्याय उपलब्ध कराना पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। कानपुर जोन के आठ जनपदों में चलाए जा रहे अभियानों के तहत अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई, संगठित अपराध पर अंकुश, अवैध संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई तथा जनसुनवाई व्यवस्था को और मजबूत करने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। कुल मिलाकर कानपुर जोन की तीन माह की समीक्षा रिपोर्ट में ललितपुर में अपराधियों के खिलाफ करोड़ों की संपत्ति कुर्क करने जैसी बड़ी कार्रवाई और आईजीआरएस में बेहतर रैंकिंग जिले की पुलिस कार्यप्रणाली की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के रूप में सामने आई है।

महरौनी पुलिस के हत्थे चढ़ा अवैध असलहा तस्कर, तमंचा-कारतूस बरामद

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

अपराध एवं 8अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत महरौनी पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर एवं दो अवैध जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक ललितपुर मो. मुस्ताक अहमद के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ललितपुर कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी महरौनी अरविंद कुमार पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में थाना महरौनी पुलिस द्वारा वांछित वारंटियों एवं अभियुक्तों की तलाश तथा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के लिए अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में गठित पुलिस टीम ने 31 अगस्त 2026 की रात करीब 10:25 बजे पुराने बंद पड़े शिवराज ढाबे के पास, ग्राम छिल्ला थाना महरौनी क्षेत्र से एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अंकुल अहिरवार पुत्र लालाराम, उम्र करीब 19 वर्ष, निवासी ग्राम छिल्ला, थाना महरौनी, जनपद ललितपुर के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर तथा दो अवैध जिंदा कारतूस बरामद किए गए। आरोपी के विरुद्ध थाना महरौनी में मु.अ.सं. 367/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करते हुए संबंधित न्यायालय में पेश किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक गुलाम फरीद, चौकी प्रभारी खितवास थाना महरौनी, उपनिरीक्षक गम्भीर सिंह, कांस्टेबल कुलदीप कुमार तथा कांस्टेबल पवन कुमार मिश्रा शामिल रहे।

महंगाई की मार के बीच मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने की उठी मांग

पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की वस्तुओं के बढ़ते दामों से बिगड़ा बजट

पल्लेदार, मंडी लेबर, राजमिस्त्री व निर्माण श्रमिकों के मेहनताने के पुनर्निर्धारण की मांग

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

लगातार बढ़ती महंगाई का असर अब मजदूर वर्ग के घरेलू बजट पर भी साफ दिखाई देने लगा है। पेट्रोल-डीजल से लेकर खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के बढ़ते दामों के बीच सीमित आमदनी में परिवार का खर्च चलाना मजदूरों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में पल्लेदारों, मंडी मजदूरों, राजमिस्त्रियों, निर्माण श्रमिकों और अन्य असंगठित कर्मकारों की मजदूरी में समय और महंगाई के अनुरूप बढ़ोतरी किए जाने की मांग जोर पकडने लगी है। मजदूरों का कहना है कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन कई क्षेत्रों में उनकी मजदूरी अभी भी लंबे समय से पुराने स्तर पर बनी हुई है। गल्ला मंडी में काम करने वाले पल्लेदार, सब्जी मंडी के मजदूर, राजमिस्त्री और निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिक रोजाना सुबह से शाम तक मेहनत करने के बावजूद बढ़ती जरूरतों के सामने खुद को आर्थिक रूप से असहाय महसूस कर रहे हैं। मजदूरों का कहना है कि उनके काम और मेहनत में कोई कमी नहीं आई है, लेकिन परिवार चलाने की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। खाने-पीने का सामान, बच्चों की पढ़ाई, बिजली का बिल, मकान का किराया, पेट्रोल-डीजल और अन्य जरूरी खर्च बढने के कारण मौजूदा मजदूरी में परिवार की जरूरतें पूरी करना कठिन हो रहा है। मजदूरों का कहना है कि रोजाना मिलने वाली मजदूरी का बड़ा हिस्सा घरेलू जरूरतों में ही खर्च हो जाता है। बीमारी, बच्चों की शिक्षा अथवा अचानक आने वाले किसी अन्य खर्च के लिए बचत करना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में मजदूरी का समय-समय पर पुनर्निर्धारण जरूरी है। असंगठित कर्मकार मजदूर यूनियन की ओर से मांग उठाई गई है कि वर्तमान महंगाई और मजदूरों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों की मजदूरी का पुनर्निर्धारण किया जाए। यूनियन का कहना है कि पल्लेदार, मंडी लेबर, राजमिस्त्री, निर्माण श्रमिक और अन्य असंगठित क्षेत्र के कामगारों को उनकी मेहनत के अनुरूप उचित मेहनताना मिलना चाहिए। इस दौरान असंगठित कर्मकार मजदूर यूनियन अध्यक्ष अमित प्रजापति ने कहा कि मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनकी मजदूरी बढ़ाने की दिशा में ठोस पहल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब महंगाई के कारण रोजमर्रा की हर चीज महंगी हो रही है तो मजदूर की मेहनत का दाम भी समय और परिस्थितियों के हिसाब से बढना चाहिए। उन्होंने कहा कि मजदूर देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निर्माण कार्य से लेकर मंडियों और विभिन्न क्षेत्रों में मजदूरों की मेहनत के बिना कामकाज आगे बढना मुश्किल है। इसलिए उनके श्रम का उचित सम्मान करते हुए महंगाई के अनुपात में मजदूरी बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि मजदूर अपने परिवार की बुनियादी जरूरतें सम्मानपूर्वक पूरी कर सकें।

ट्रांसफार्मर खराब होने से पाली में तीन दिन से जलापूर्ति ठप

» शहजाद नदी स्थित वाटर सप्लाई का डीपी फुंका

» भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

» व्यापार मंडल ने अधिशासी अभियंता को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

पाली कस्बे में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। शहजाद नदी स्थित मुख्य वाटर सप्लाई के लिए लगे बिजली के ट्रांसफार्मर के खराब होने से पिछले तीन दिनों से नगर की जलापूर्ति पूरी तरह बाधित है। मोटरें नहीं चल पाने के कारण नगरवासियों के सामने पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। भीषण गर्मी के बीच पानी की आपूर्ति बंद होने से स्थानीय लोगों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी परेशानी बढ़ गई है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों के अनुसार, शहजाद नदी से पाली कस्बे में मुख्य पेयजल आपूर्ति की जाती है। इसके लिए अलग से विद्युत ट्रांसफार्मर लगाया गया है। बताया गया कि यह ट्रांसफार्मर पिछले तीन दिनों से खराब पड़ा है। इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दिए जाने के बावजूद अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया, जिसके चलते जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हो रही है। पेयजल संकट को लेकर व्यापार मंडल एवं स्थानीय प्रतिनिधियों ने अधिशासी अभियंता, विद्युत उपखंड पाली को ज्ञापन सौंपकर तत्काल नया ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की।

प्रतिनिधियों ने कहा कि नगर की पेयजल व्यवस्था सीधे तौर पर इसी विद्युत आपूर्ति पर निर्भर है। ऐसे में ट्रांसफार्मर खराब रहने से लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने अधिकारियों से जनहित को देखते हुए समस्या का शीघ्र समाधान कर जलापूर्ति बहाल कराने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि गर्मी के मौसम में पेयजल की आवश्यकता बढ़ जाती है। ऐसे समय में लगातार तीन दिनों तक जलापूर्ति बाधित रहना गंभीर समस्या है। व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलवाकर वाटर सप्लाई शुरू कराने की मांग की है, ताकि नगरवासियों को राहत मिल सके। ज्ञापन देने वालों में तहसील अध्यक्ष व्यापार मंडल डा.जितेन्द्र जैन, तहसील उपाध्यक्ष तालबेहट व्यापार मंडल सुचेंद्र सेठ पाली, जिला उपाध्यक्ष हरिसिल बुंदेला, अंकित कुमार, मीडिया प्रभारी रघुकान्त, अरुण गोगेले और विनोद कुमार शामिल रहे। इसके अलावा नगर अध्यक्ष वि.सं. उमेश कुमार शर्मा, नगर महामंत्री व्यापार मंडल प्रिंस बुंदेला, नगर उपाध्यक्ष धनीराम कोरी, नगर मंत्री यादवेन्द्र सिंह तथा दीपक कुमार सहित अन्य स्थानीय प्रतिनिधियों ने भी पेयजल समस्या के शीघ्र निराकरण की मांग का समर्थन किया।

साबरमती एक्सप्रेस में सो रही महिला का पर्स चोरी

ललितपुर। ट्रेन में सफर के दौरान यात्रियों के सामान की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए। अयोध्या से बीना जा रही साबरमती एक्सप्रेस में सफर कर रहे दंपति की महिला यात्री का पर्स अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। पर्स में मोबाइल फोन और सात हजार रुपये नकद रखे थे। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 22 हजार रुपये बताई गई है। मध्य प्रदेश के जिला रायसेन अंतर्गत निवासी बेगमगंज राजेन्द्र सिंह तोमर पुत्र स्व. बजरंग सिंह तोमर अपनी पत्नी राजकुमारी के साथ 30 जुलाई 2026 को ट्रेन संख्या 19168 साबरमती एक्सप्रेस से अयोध्या से बीना की यात्रा कर रहे थे। दंपति कोच संख्या ए/2 की बर्थ नंबर 28 पर सफर कर रहा था। यात्रा के दौरान राजेन्द्र सिंह की पत्नी ऊपरी बर्थ पर सो रही थीं। उन्होंने अपना हरा लेदर का लेडीज पर्स तकिए के पास रखा हुआ था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने मौका पाकर पर्स पार कर दिया। ट्रेन जब ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने वाली थी, तभी दंपति ने देखा कि तकिए के पास रखा पर्स गायब है। आसपास तलाश करने के बाद भी पर्स का कोई पता नहीं चला। पर्स में एमआई कंपनी का मोबाइल फोन, जियो सिम और सात हजार रुपये नकद रखे हुए थे। उसके मुताबिक चोरी गए सामान और नकदी की कुल कीमत करीब 22 हजार रुपये है। घटना के बाद उन्होंने जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराई। जीआरपी पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 305(सी) के तहत शून्य एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच उपनिरीक्षक मिथिलेश कुमार यादव को सौंपी गई है।

पुलिस ने 80 गुम मोबाइल बरामद कर लौटाई लोगों के चेहरों पर मुस्कान

» सीईआईआर पोर्टल की मदद से साइबर क्राइम थाना व सभी थानों की टीमों ने की कार्रवाई

ललितपुर। मोबाइल फोन खोने या गिर जाने के बाद उसकी बरामदगी की उम्मीद छोड़ चुके लोगों के लिए ललितपुर पुलिस ने राहत की खबर दी है। पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से त्वरित कार्रवाई करते हुए अगस्त माह में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से खोए और गिरे हुए 80 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस ने सभी मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को नियमानुसार सुपुर्द कर दिए। यह कार्रवाई एसपी संजीव बाजपेयी के निर्देशन में, एएसपी कालू सिंह तथा सीओ साइबर क्राइम अजय कुमार के पर्यवेक्षण में की गई। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लोगों के मोबाइल फोन खोने या गिरने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए थे। शिकायतों के आधार पर नियमानुसार मोबाइल फोन की गुमशुदगी सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज की गई। इसके बाद साइबर क्राइम थाना और जनपद के सभी थानों में गठित साइबर सेल एवं पुलिस टीमों ने शिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई शुरू की। टीमों ने तकनीकी माध्यमों से प्रयास करते हुए अगस्त माह में कुल 80 मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपये है। मोबाइल बरामद होने के बाद पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें उनके स्वामियों को सौंप दिया। लंबे समय से मोबाइल फोन के वापस मिलने का इंतजार कर रहे लोगों को जब उनका मोबाइल पुलिस के माध्यम से वापस मिला तो उनके चेहरे पर खुशी लौट आई। मोबाइल स्वामियों ने ललितपुर पुलिस की साइबर टीम और संबंधित थाना पुलिस की कार्यवाही की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

हरियाणा में मजदूरी करने गए कुम्हेड़ी के युवक की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में चल रहा था उपचार, इलाज के दौरान तोड़ा दम

महरौनी। ब्लॉक महरौनी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुम्हेड़ी निवासी एक युवक की हरियाणा में मजदूरी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही गांव सहित परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुम्हेड़ी निवासी मथरा अहिरवार, पुत्र स्वर्गीय भगोने अहिरवार परिवार के भरण-पोषण के लिए हरियाणा में मजदूरी करने गए थे। मजदूरी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। मथरा अहिरवार की मौत की सूचना जैसे ही परिजनों को मिली, घर में चीख-पुकार मच गई। रोजी-रोटी की तलाश में परदेस गए युवक की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का विलाप देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। मृतक अपने पीछे एक पुत्र हरगोविंद अहिरवार और एक पुत्री रंजना अहिरवार को छोड़ गए हैं। पिता की मौत से दोनों बच्चों सहित पूरे परिवार का भविष्य संकट में पड़ गया है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम कुम्हेड़ी में भी शोक की लहर दौड़ गई।

12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत

» ललितपुर में 16 पीठें करेंगी वादों का निस्तारण

» मोटर दुर्घटना, पारिवारिक विवाद, एनआई एक्ट और बैंक ऋण वसूली समेत कई मामलों पर होगा विशेष जोर

» 7 सितंबर तक कम से कम पांच प्री-ट्रायल बैठकें आयोजित करने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर आगामी 12 सितंबर 2026 को पूरे प्रदेश के साथ जिले में भी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए जनपद में 16 पीठों का गठन किया गया है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव संतोष कुमार द्वितीय की ओर से 10 अगस्त 2026 को जारी पत्र के माध्यम से सभी जनपद न्यायाधीशों, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, वाणिज्यिक न्यायालय एवं पारिवारिक न्यायालयों के पीठासीन अधिकारियों को लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए 7 सितंबर 2026 तक कम से कम पांच प्री-ट्रायल बैठकें आयोजित करने को कहा गया है। लोक अदालत में विशेष रूप से मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, दाम्पत्य एवं पारिवारिक विवाद, एनआई एक्ट के मामले, बैंक वसूली वाद तथा ऋण वसूली अधिकरण से संबंधित मामलों को निस्तारण के लिए शामिल किया जाएगा। राज्य प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में प्रभारी जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यादवेन्द्र सिंह ने राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए 16 पीठों का गठन किया है। सभी पीठों को लोक अदालत से पूर्व कम से कम पांच प्री-ट्रायल मीटिंग आयोजित कर अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण का प्रयास करने के निर्देश दिए गए हैं। गठित पीठों में पीठ संख्या एक के अध्यक्ष प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय नन्द प्रताप ओझा तथा सदस्य पैनल लॉयर प्रमोद कुमार श्रीवास्तव हैं। पीठ संख्या दो के अध्यक्ष एमएसीटी ललितपुर राकेश वर्मा तथा सदस्य अनिल यादव हैं। पीठ संख्या तीन के अध्यक्ष अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश यादवेन्द्र सिंह तथा सदस्य कुलदीप श्रीवास्तव हैं। पीठ संख्या चार एवं पांच में पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक सहित अन्य बैंकों से संबंधित बैंक रिकवरी मामलों समेत अन्य वादों का निस्तारण किया जाएगा। पीठ संख्या आठ के अध्यक्ष पॉक्सो विशेष न्यायाधीश नवनीत कुमार भारती हैं। इस पीठ में बीएसएनएल, इंश्योरेंस कंपनी से संबंधित वादों एवं बैंक रिकवरी के मामलों को लिया जाएगा। इसके सदस्य पैनल लॉयर पुष्पेन्द्र सिंह चौहान हैं। वहीं पीठ संख्या नौ एवं दस में एनआई एक्ट, आपराधिक शमनीय वाद तथा अन्य दीवानी मामलों का निस्तारण किया जाएगा। पीठ संख्या 11 से 16 का गठन महरौनी एवं तालबेहट न्यायालयों में किया गया है, जहां सिविल जज, एसीजेएम एवं ग्राम न्यायालय स्तर पर मामलों की सुनवाई और निस्तारण किया जाएगा।

पुस्तकालय में अतिरिक्त कुर्सियों की मांग पर नपाध्यक्ष ने दिए तत्काल व्यवस्था के निर्देश

» राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन पुस्तकालय का नपाध्यक्ष ने किया औचक निरीक्षण

» छात्रों से लिया व्यवस्थाओं का फीडबैक

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन पुस्तकालय एवं वाचनालय का मंगलवार को नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुस्तकालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर वहां उपलब्ध सुविधाओं, व्यवस्थाओं और अध्ययन के माहौल की जानकारी ली। उन्होंने पुस्तकालय की उपस्थिति पंजिका का भी अवलोकन किया।

विद्यार्थियों ने नपाध्यक्ष को बताया कि पुस्तकालय में अध्ययन करने वाले छात्रों की संख्या को देखते हुए अतिरिक्त कुर्सियों की आवश्यकता है। छात्रों की मांग को गंभीरता से लेते हुए नपाध्यक्ष ने संबंधित लिपिक को तत्काल आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। नपाध्यक्ष ने पुस्तकालय में तैनात कर्मचारियों से भी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली और पुस्तकालय को साफ-सुथरा, व्यवस्थित एवं अध्ययन के अनुकूल बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय ज्ञान, अध्ययन और सफलता का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां अध्ययन करने वाले छात्रों को बेहतर वातावरण और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय की व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार कराए जाएंगे। उद्देश्य है कि प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य शैक्षणिक तैयारियों में जुटे विद्यार्थियों को शांत एवं सुविधाजनक वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ लिपिक हबीब खान, प्रभारी सफाई निरीक्षक महेंद्र सिंह यादव, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लिपिक रमाकांत तिवारी, बद्री कुशवाहा, नरेंद्र राठौर सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

उन्नाव में दही चौकी औद्योगिक क्षेत्र की कंपनी में करंट से कर्मचारी की मौत

उन्नाव। दही चौकी औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक कंपनी में मंगलवार दोपहर एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक सैंपल देखने के लिए गया था, तभी यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान दरियाई खेड़ा निवासी ओम प्रकाश के रूप में हुई है। साथी कर्मचारी बृजभान ने बताया कि ओम प्रकाश पिछले करीब 15 से 20 साल से कंपनी में कार्यरत थे। मंगलवार को वह दोपहर के भोजन के बाद सैंपल देखने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान वह बिजली के करंट की चपेट में आ गए और जमीन पर गिर पड़े। घटना की जानकारी तुरंत अन्य कर्मचारियों को नहीं हो सकी। बाद में साथी कर्मचारियों ने उन्हें बचाने और उपचार के लिए ले जाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना परिजनों को दी गई, जिसके बाद परिवार में शोक का माहौल है। सहकर्मियों के अनुसार ओम प्रकाश लंबे समय से कंपनी से जुड़े थे और उन्हें काम का अच्छा अनुभव था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर जानकारी ली है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। कंपनी में सुरक्षा मानकों की अनदेखी हुई है या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

आधुनिक तकनीक से संकर टमाटर की खेती, कैलाशपति दूबे ने बढ़ाई आमदनी

भदोही। आधुनिक कृषि तकनीकों और उद्यान विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन को अपनाकर किसान कैलाशपति दूबे ने संकर टमाटर की खेती में सफलता हासिल की है। ग्राम भिडिउरा निवासी कैलाशपति दूबे ने एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में संकर टमाटर की खेती कर करीब 275 से 350 क्विंटल तक उत्पादन प्राप्त किया। किसान ने उद्यान विभाग के योजना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार मौर्य के तकनीकी मार्गदर्शन में गुणवत्तापूर्ण पौध तैयार कर खेत में रोपाई की। फसल के बेहतर उत्पादन के लिए उन्होंने ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग और स्टेकिंग तकनीक का प्रयोग किया। साथ ही फसल की जरूरत के अनुसार उर्वरकों का प्रयोग करने के साथ कीट एवं रोगों से बचाव के उपाय भी किए। कैलाशपति दूबे के अनुसार टमाटर की खेती में करीब 1.50 लाख रुपये की लागत आई, जबकि फसल से लगभग 3.50 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि ड्रिप सिंचाई से पानी का बेहतर प्रबंधन हुआ, मल्चिंग से खेत की नमी बनाए रखने में मदद मिली और स्टेकिंग से पौधों की देखभाल व फसल प्रबंधन आसान हुआ। किसान की सफलता से गांव के अन्य कृषक भी आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। कैलाशपति दूबे का कहना है कि विशेषज्ञों की सलाह, आधुनिक तकनीक और निरंतर मेहनत को खेती से जोड़कर किसान बेहतर उत्पादन के साथ अच्छी आमदनी भी प्राप्त कर सकते हैं।

सोन नदी के उफान से अड़गुड़ नाला खतरनाक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन /सोनभद्र- उत्तर प्रदेश के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम पंचायत बसुहारी का अड़गुड़ नाला इन दिनों सोन नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण बेहद खतरनाक हो गया है। नाले में करीब 10 से 15 फीट तक पानी भर जाने से क्षेत्र में आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। हालात यह है कि ग्रामीण और राहगीर जान जोखिम में डालकर ट्यूब के सहारे नाला पार करने को मजबूर हैं। गहरे पानी और तेज बहाव के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। मंगलवार को अड़गुड़ नाले की गंभीर स्थिति का जायजा लेने पहुंचे राष्ट्रीय पंचायत राज ग्राम प्रधान संगठन सोनभद्र के जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकुमार जायसवाल, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि कोन दिनेश कुमार गुप्ता, बजरंग दल के प्रखंड संयोजक हृदय निवास पाण्डेय सहित तरिया क्षेत्र के शिवम कुमार प्रजापति, अजीत कुमार, कृष्णा कुमार गुप्ता समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे। टीम ने नाले का निरीक्षण करने के साथ ही प्रभावित ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं से रुबरु हुए। ग्रामीणों ने बताया कि सोन नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण अड़गुड़ नाले का पानी सोन नदी के गहरे जलस्तर से जुड़ गया है। नाले में भरा पानी कई स्थानों पर अत्यधिक गहरा हो चुका है। इसके बावजूद जरूरी काम के लिए ग्रामीणों को आवागमन करना पड़ रहा है।

ट्यूब के सहारे पानी पार करना कभी भी जानलेवा साबित हो सकता है। पानी भरने से क्षेत्र की स्थिति और गंभीर हो गई है। रास्ता जलमग्न होने के कारण अंतिम पुलिस चौकी पोखरिया का कोन थाने से संपर्क भी टूट गया है। वहीं बिहार की ओर आने-जाने वाले लोगों का संपर्क भी बाधित हो गया है। इससे सीमावर्ती क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात और सोन नदी के बढ़ते जलस्तर के दौरान हर वर्ष यहां आवागमन की समस्या गंभीर हो जाती है, लेकिन इस बार पानी का स्तर काफी अधिक होने से खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मौके पर सुरक्षा व्यवस्था कराने, खतरनाक स्थान पर चेतावनी बोर्ड लगाने तथा सुरक्षित आवागमन की वैकल्पिक व्यवस्था कराने की मांग की है। निरीक्षण करने पहुंचे जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग किया है।

चोपन में सरकारी बोर व पानी की टंकी की जमीन पर कब्जे का आरोप, जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चोपन/सोनभद्र- नगर पंचायत चोपन के वार्ड संख्या 4 और 8 के बीच स्थित सरकारी बोर एवं पानी की टंकी की भूमि पर कब्जे को लेकर शिकायत की गई है। मामले में नगर पंचायत प्रशासन से जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है। प्राप्त शिकायत पत्र के अनुसार उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग के उपाध्यक्ष सेताराम, भारतीय किसान के जिलाध्यक्ष एवं जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार विश्वकर्मा ने अधिशासी अधिकारी के नाम सौंपें गए पत्र में कहा है कि चोपन नगर पंचायत के वार्ड नंबर 4 एवं 8 में सरकारी बोर एवं पानी की टंकी स्थापित है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि सामने स्थित भूमि को कुछ लोगों द्वारा अपनी जमीन बताते हुए घेरने का प्रयास किया जा रहा है। इससे भविष्य में क्षेत्रवासियों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। शिकायत में यह भी मांग की गई है कि यदि संबंधित भूमि सरकारी है तो नगर पंचायत द्वारा किसी भी व्यक्ति को अपनी जमीन बताकर कब्जा करने से रोका जाए। साथ ही वार्ड संख्या 4 और 8 के नगरवासियों के हितों को ध्यान में रखते हुए पानी की सुविधा प्रभावित न होने देने की अपील की गई है।मामले को लेकर मौके पर पहुंचकर जांच कराने, भूमि की स्थिति का जायजा लेने तथा तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई करने की मांग की गई है। शिकायत पत्र में कहा गया है कि नगर पंचायत क्षेत्र की सरकारी संपत्ति एवं आमजन की सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि भविष्य में पेयजल व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो।

गंगा एक्सप्रेसवे धंसा, शॉल डालकर छिपाया: उन्नाव में करीब 7 फीट गहरा गड्ढा हुआ बैरिकेडिंग करके मरम्मत शुरू की

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के महत्वाकांक्षी गंगा एक्सप्रेसवे पर एक बार फिर गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्नाव जिले के दही थाना क्षेत्र के बसीरतगंज टोल प्लाजा के पास एक्सप्रेसवे की सड़क धंस गई है। जानकारी के अनुसार उन्नाव में लगातार पांच दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। सोमवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के दौरान किलोमीटर 423.6 के पास प्रयागराज जाने वाली लेन पर सड़क धंस गई। इससे करीब सात फीट गहरा और पांच फीट चौड़ा गड्ढा बन गया। बताया जा रहा है कि एक्सप्रेसवे के करीब 200 किलोमीटर हिस्से का निर्माण करा रही कंपनी पटेल इंफ्रास्ट्रक्चर के कर्मचारियों ने पेट्रोलिंग के दौरान रात में ही गड्ढे को देख लिया। आनन-फानन में करीब 300 मीटर पहले बैरिकेडिंग करके ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया और मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया। हैरानी की बात यह है कि गड्ढे को छिपाने के लिए उस पर शॉल और सड़क के रंग से मिलती-जुलती चादर डाल दी गई। राहगीरों ने इसका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद शॉल को हटा दिया गया। हालांकि शॉल किसने और किस मकसद से डाली, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। फिलहाल सड़क को ठीक कर दिया गया है।

मरम्मत करके सड़क ठीक कर दी गई

पटेल इंफ्रास्ट्रक्चर के मैनेजर आरएस मिश्रा ने बताया कि टोल प्लाजा के पास से हाईटेंशन बिजली की लाइन गुजर रही है। नियमों के मुताबिक सड़क और बिजली के तारों के बीच 14 मीटर की दूरी रखना जरूरी था। इसलिए टोल प्लाजा को ज्यादा ऊंचा नहीं बनाया जा सका। अचानक हुई भारी बारिश से यहां पानी भर गया और सड़क धंसकर गड्ढा बन गया। मरम्मत करके सड़क ठीक कर दी गई है। आगे पानी न भरे, इसके लिए टोल के किनारे सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले 17 अगस्त को सोनिक गांव के पास मिट्टी कटने के कारण एक्सप्रेसवे के किनारे की 200 मीटर सड़क का हिस्सा बह गया था। 594 किमी लंबा यह एक्सप्रेसवे मेरठ को सीधे प्रयागराज से जोड़ता है। इसका उद्घाटन 29 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में किया था।

निखरेगी आस्था, संवरेंगे विद्यालय और रोशन होंगे गांव

अति प्राचीन अमिला माता मंदिर का होगा भव्य कायाकल्प, श्रद्धालुओं के लिए विकसित होंगी सुविधाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - जनपद में आस्था के केंद्रों के संरक्षण-संवर्धन के साथ शिक्षा और ग्रामीण जनसुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में बड़ी पहल की गई है। लगभग 5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अति प्राचीन अमिला माता मंदिर का कायाकल्प, चार गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट तथा तीन सरकारी विद्यालयों का सुदृढ़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। सभी कार्य ग्रीनको एनर्जी के सीएसआर मद से प्रस्तावित हैं। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि क्षेत्र की आस्था से जुड़े अति प्राचीन अमिला माता मंदिर को उसकी धार्मिक महत्ता के अनुरूप सुविधायुक्त स्वरूप दिया जाएगा। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ की जाएगी। ठहरने के लिए गेस्ट रूम, सुगम आवागमन के लिए इंटरलॉकिंग तथा धूप एवं वर्षा से बचाव के लिए टीन शेड का निर्माण कराया जाएगा। उद्देश्य है कि मंदिर की गरिमा एवं मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रिकालीन आवागमन को अधिक सुगम बनाने के लिए बैजनाथ, पिंडारी, चकरिया एवं गड़वा में सोलर स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जाएंगी। गांवों की गलियों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था विकसित होने से ग्रामीणों को बेहतर सुविधा मिलेगी और परंपरागत विद्युत पर निर्भरता भी कम होगी। इसी पहल के तहत बैजनाथ, पिंडारी एवं चकरिया के सरकारी विद्यालयों का भी कायाकल्प होगा। विद्यालयों की बाउंड्रीवॉल का दुरुस्तीकरण करने के साथ कक्षाओं एवं परिसर को सुसज्जित किया जाएगा। बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन तैयार करने हेतु पृथक कक्ष तथा स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित शौचालय सहित आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक उद्देश्य ऐसी स्थायी सुविधाएं तैयार करना है, जिनसे आमजन के जीवन में प्रत्यक्ष बदलाव दिखाई दे। आस्था के केंद्रों पर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें, बच्चों को अच्छा शैक्षणिक वातावरण मिले और गांवों में मूलभूत सुविधाएं मजबूत होंकृइसी दृष्टिकोण से इन कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। ग्रीनको एनर्जी के सीएसआर सहयोग से प्रस्तावित करीब 5 करोड़ रुपये के इन कार्यों के पूर्ण होने पर क्षेत्र में एक साथ आस्था, शिक्षा और ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी।

बालवीर बाबा कूद प्रतियोगिता में शिवम ने मारी बाजी, जीती साइकिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। लालगंज क्षेत्र के बरस गांव में भादों के पहले मंगलवार को विगत वर्षों की परंपरा के अनुसार बालवीर बाबा कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम प्रधान दीपू सिंह चौहान के द्वारा कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सपा विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह प्रतिनिधि दिगम्बर सिंह रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में पथरीगंढ के शिवम प्रथम स्थान पर रहे, जिन्हें पुरस्कार स्वरूप साइकिल प्रदान की गई। पूरजिया के हिमांशु द्वितीय स्थान पर रहे और उन्हें पंखा पुरस्कार में दिया गया। वहीं भीतरगांव के अमित तेजा तृतीय स्थान पर रहे, जिन्हें पानी की टंकी प्रदान की गई। प्रतियोगिता के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रधान शिव प्रताप यादव, बच्चा सिंह, आशीष पाण्डेय, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हल्द्वानी की घटना के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, राहुल गांधी पर एफआईआर वापस लेने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद कथित जातिवादी 'शुद्धिकरण अनुष्ठान' और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में सोमवार को जिला कांग्रेस ने विरोध मार्च निकाला। टाउन हॉल स्थित पार्टी कार्यालय से शुरू हुआ मार्च मालवीय रोड होते हुए सुभाष चौक पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर भाजपा और आरएसएस के खिलाफ नारेबाजी की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आयोजित प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने किया। कार्यकर्ताओं ने कथित घटना को सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि किसी वरिष्ठ जनप्रतिनिधि के कार्यक्रम के बाद कथित तौर पर इस तरह का 'शुद्धिकरण अनुष्ठान' किया जाना सामाजिक समानता और संवैधानिक मूल्यों पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने घटना के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की, लेकिन उनके खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर दी गई। इसे उन्होंने विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय, समानता और प्रत्येक नागरिक की गरिमा के लिए संघर्ष करती रहेगी। सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने और राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को व्यापक किया जाएगा। प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी, जयदीप त्रिपाठी, अरविंद शाही, भरत मणि, सुनील कुमार तिवारी, जुलेखा खातून, मुकुंद भास्कर मणि, नागेंद्र शुक्ला, आनंददेव गिरी चुन्नू, संजीव कुमार मिश्रा, हरिहर त्रिपाठी, धर्मेंद्र कुमार पांडेय, मिर्जा खुर्शीद, आलोक त्रिपाठी, शहनाज जफर, शिवशंकर सिंह, सुनील कुमार यादव, रामप्रवेश सिंह, विनोद दुबे, सुनील कुमार द्विवेदी, जवाहरलाल बरनवाल, महेंद्र अंबेडकर, कमलेश मिश्रा, ब्रजेश सिंह राजा, सत्य प्रकाश मणि, निर्मला वर्मा, आनंद श्रीवास्तव सोनू, डॉ. सीपी चौहान, अभिनव तिवारी, अभय प्रताप शुक्ला, रत्नेश मल्ल पिंटू, विनय मिश्रा, भास्कर तिवारी, अशोक मालवीय, मेघनाथ मद्धेशिया, आयुष गुप्ता और महेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनपद में लगातार बारिश ने गरीब परिवार का आशियाना छीना

बभनी/सोनभद्र- जनपद में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण बभनी ब्लॉक अंतर्गत घघरी ग्राम पंचायत के साहगोंडा में एक गरीब परिवार का मिट्टी का मकान भरभराकर गिर गया। मंगलवार की रात हुई तेज बारिश के बाद देव बाबू पुत्र रामकिशन का कच्चा मकान अचानक ढह गया। घर गिरने से मकान में रखा अनाज सहित घरेलू सामान मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त हो गया। घर के गिरने से पीड़ित परिवार के सामने अब रहने और खाने-पीने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। बारिश के बीच आशियाना उजड़ने से परिवार काफी परेशान है। स्थानीय लोगों के अनुसार लगातार बारिश के कारण मिट्टी की दीवारें कमजोर होने से यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलने पर ग्राम प्रधान कृष्णानन्द सोनी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद एवं सरकारी मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। जिसके क्रम में ग्राम प्रधान द्वारा लेखपाल से भी संपर्क कर क्षति का आकलन कर रिपोर्ट तैयार कराने की प्रक्रिया शुरू कराने की बातें कही। इस मौके पर ग्राम प्रधान कृष्णानन्द सोनी, क्षेत्र पंचायत सदस्य शिव कुमार, स्थानीय ग्रामीण उमंग गुप्ता समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। पीड़ित परिवार व स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग किया है कि मौके का स्थलीय निरीक्षण सके।

लगातार बारिश से बढ़ा नदियों का जलस्तर, जिला प्रशासन अलर्ट

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश- जनपद में लगातार हो रही बारिश के कारण बांधों, नदियों और पहाड़ी जलधाराओं में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने संबंधित अधिकारियों को बांधों एवं नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखने तथा तटीय और निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को समय रहते सतर्क करने के निर्देश दिए हैं। वर्तमान स्थिति में रिहंद बांध का एक गेट खोला जा चुका है, जबकि दूसरा गेट खोलने की प्रक्रिया जारी है। इसके बाद ओबरा बांध के तीन गेट 9 फीट तक खोला गया। इससे नदियों के जलस्तर और बहाव में वृद्धि होने की संभावना है। इसे देखते हुए नदी तटीय क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। संभावित बढ़े जलप्रवाह को लेकर प्रशासन की टीमें क्षेत्र में लोगों को लगातार जागरूक कर रही हैं। चकाड़ी में थाना प्रभारी ने स्थानीय नागरिकों के बीच पहुंचकर स्थिति की जानकारी दी और नदी तट, निचले इलाकों तथा तेज बहाव वाले स्थानों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि सोनभद्र की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए लगातार बारिश के दौरान पहाड़ी नालों और बरसाती जलधाराओं में अचानक पानी बढ़ सकता है। ऐसे में लोग किसी भी उफनते नाले, नदी अथवा तेज बहाव वाले रास्ते को पार करने का प्रयास न करें। बच्चों और पशुओं को भी नदी-नालों के आसपास न जाने दें। उन्होंने कहा कि जनपदवासियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला प्रशासन द्वारा स्थिति की सतत निगरानी की है।

गोरखपुर स्टेशन से बरामद हुईं दो नाबालिग बालिकाएं

ऑपरेशन मुस्कान के तहत भलुअनी पुलिस और जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई

देवरिया, 1 सितंबर। घर से लापता हुईं दो नाबालिग बालिकाओं को भलुअनी पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत महज सात घंटे में गोरखपुर रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। दोनों को आवश्यक विधिक प्रक्रिया के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। 31 अगस्त को परिजन ने भलुअनी थाने में दोनों बालिकाओं के लापता होने की सूचना दी। पुलिस ने तत्काल मोबाइल नंबरों के आधार पर तकनीकी माध्यम से उनकी लोकेशन खंगाली। दोनों के गोरखपुर में होने की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम रवाना हुई।क्ष्ह भलुअनी पुलिस और जीआरपी गोरखपुर की संयुक्त टीम ने तलाश शुरू की और दोनों को गोरखपुर रेलवे स्टेशन स्थित जीआरपी थाने से बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार बरामदगी सूचना मिलने के सात घंटे के भीतर हुई। बालिकाओं को थाने लाकर आवश्यक कार्रवाई के बाद परिजन आशा राजभर के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

अटल आवासीय विद्यालय में सुरक्षा और बच्चों के स्वास्थ्य पर सख्ती

डीएम ने बच्चों के साथ भोजन कर परखी गुणवाा, विद्यार्थियों से लिया व्यवस्थाओं का फीडबैक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

» मंडलायुत ने वर्चुअली बैठक में दिए निर्देश

» अनाधिकृत व्यति के प्रवेश पर रोक और सीसीटीवी से सतत निगरानी के आदेश

ललितपुर। निर्माण श्रमिकों के बच्चों एवं अनाथ बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम धौर्रा में संचालित अटल आवासीय विद्यालय में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा, पोषण और गुणवत्तायुक्त सुविधाओं को लेकर सोमवार को मंडलीय अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे वर्चुअल माध्यम से जुड़े, जबकि जिलाधिकारी सत्य प्रकाश समेत जनपद एवं मंडल स्तरीय अधिकारियों ने विद्यालय में मौजूद रहकर व्यवस्थाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि विद्यालय में किसी भी दशा में अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश न दिया जाए। विद्यालय परिसर और हॉस्टल में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने तथा कंट्रोल रूम से उनकी लगातार निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया। किसी अनाधिकृत गतिविधि की जानकारी मिलने पर उसकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखते हुए जांच कराने और पुष्टि होने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समय से समाधान के लिए अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा नियमित रूप से विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से संवाद स्थापित करने को कहा। उन्होंने विद्यालय में रैगिंग, शारीरिक या मानसिक उत्पीडन् तथा अभद्र भाषा के प्रयोग पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों की नियमित काउंसलिंग कराने के साथ ही पढ़ाई, खेलकूद, व्यायाम, सोने और सुबह उठने की दिनचर्या पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य और पोषण को लेकर मंडलायुक्त ने प्रत्येक माह नियमित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित कराने के निर्देश दिए। शिविरों में एलोपैथिक चिकित्सकों के साथ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक चिकित्सकों की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा विद्यार्थियों के लिए डाइट चार्ट तैयार कराने, डाइटिशियन की सेवाएं उपलब्ध कराने और आवश्यकता के अनुसार पोषण अनुपूरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को विद्यालय में तैयार होने वाले भोजन की गुणवत्ता का नियमित परीक्षण करने को भी कहा गया। बैठक के बाद जिलाधिकारी सत्य प्रकाश और उप श्रम आयुक्त किरण मिश्रा ने विद्यालय की विभिन्न व्यवस्थाओं का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने बच्चों के साथ मैस में बैठकर संध्याकालीन भोजन किया और स्वयं भोजन की गुणवत्ता परखी। उन्होंने तेल, मसाले समेत अन्य खाद्य सामग्री की भी जांच की। खाद्य सामग्री पर अंकित एक्सपायरी तिथि सही पाई गई और भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक मिली। जिलाधिकारी ने संबंधित स्टाफ और समिति के सदस्यों को निर्देश दिए कि भोजन एवं अन्य खाद्य सामग्री की समय-समय पर जांच करते रहें और बच्चों के साथ भोजन कर गुणवत्ता का सत्यापन भी किया जाए। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं से संवाद कर विद्यालय में पढ़ाई, भोजन, आवास और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। विद्यार्थियों ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस पर जिलाधिकारी ने बच्चों से कहा कि वह पूरे मन से पढ़ाई करें, उनकी जरूरतों को पूरा करना जिला प्रशासन की जिम्मेदारी है और व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बच्चों से कहा कि किसी भी समस्या की स्थिति में वह बेझिझक अपने शिक्षक या प्रधानाचार्य को इसकी जानकारी दें। उन्होंने विद्यालय में अनुशासन के साथ पढ़ाई के अलावा नैतिक शिक्षा तथा महान विभूतियों की जीवन-गाथा एवं साहित्य पढने् के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करने पर भी जोर दिया। इस दौरान डीडीओ अतिरंजन सिंह, एसडीएम ज्ञानेन्द्र विक्रम, श्रम प्रवर्तन अधिकारी अनिल कुमार, अधिशासी अभियंता जल संस्थान मुंशीलाल, विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं ग्राम प्रधान सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

एनआईटी सिलचर के अस्थायी कर्मचारियों की भूख हड़ताल फिर तेज, स्थायीकरण की मांग

स्थायीकरण की मांग को लेकर आंदोलन तेज, चार कर्मचारी अस्पताल में भर्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। असम के सिलचर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के अस्थायी कर्मचारियों ने स्थायीकरण की मांग को लेकर एक बार फिर भूख हड़ताल शुरू कर दी है। कर्मचारियों का आरोप है कि लंबे समय से आंदोलन और कानूनी लड़ाई के बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। एनआईटी मास्टर रोल वर्कर्स यूनियन के सभापति तपन धर ने बताया कि कर्मचारियों ने 10 अगस्त से भूख हड़ताल शुरू की थी। 13 अगस्त को बरखला के विधायक किशोर नाथ एनआईटी निदेशक के साथ आंदोलनरत कर्मचारियों से मिले थे। बातचीत के दौरान कर्मचारियों से 26 अगस्त तक आंदोलन में नरमी बरतने का अनुरोध किया गया था। इसके बाद कर्मचारियों ने भूख हड़ताल अस्थायी रूप से स्थगित कर दी थी, लेकिन आंदोलन जारी रखा। तपन धर के

अनुसार, 26 अगस्त को एनआईटी निदेशक से मुलाकात के बावजूद मांगों को लेकर कोई स्पष्ट समाधान नहीं मिला। इसके बाद 27 अगस्त से कर्मचारियों ने दोबारा भूख हड़ताल शुरू कर दी।

करीब 20 वर्षों से स्थायीकरण की मांग

यूनियन का दावा है कि अस्थायी कर्मचारी करीब 20 वर्षों से स्थायीकरण की मांग कर रहे हैं। वर्ष 2024 में कर्मचारियों ने इस संबंध में उच्च न्यायालय का रुख किया था। यूनियन के अनुसार, न्यायालय के आदेश में मास्टर रोल कर्मचारियों के स्थायीकरण की दिशा में कार्रवाई की बात कही गई थी, लेकिन निर्धारित अवधि में कोई ठोस समाधान नहीं निकला। तपन धर ने बताया कि इस संबंध में एनआईटी निदेशक को ज्ञापन सौंपने के साथ जिलाधिकारी को भी आंदोलन की जानकारी दी गई थी।

भूख हड़ताल के दौरान बिगड़ी कर्मचारियों की तबीयत

यूनियन के अनुसार, दोबारा भूख हड़ताल शुरू होने के बाद कई कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ी। प्रशासन की ओर से स्वास्थ्य जांच के लिए चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों को भेजा गया। कुछ कर्मचारियों की हालत गंभीर पाए जाने के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। फिलहाल चार कर्मचारी अस्पताल में भर्ती हैं। यूनियन के मुताबिक करीब 55 कर्मचारी आंदोलन से जुड़े हैं। संगठन सेवानिवृत्त और दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को भी नियमानुसार लाभ देने की मांग कर रहा है।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग

यूनियन ने एनआईटी में स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर देने की मांग भी उठाई है। तपन धर का आरोप है कि संस्थान में कई पद खाली होने के बावजूद स्थानीय युवाओं को पर्याप्त अवसर नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। यूनियन ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य एनआईटी के कामकाज को नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों के अधिकार और स्थायीकरण की मांग का समाधान हासिल करना है।

शेक्सपियर की तरह रवींद्रनाथ टैगोर को भी 'राष्ट्रीय कवि' का दर्जा देने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अगरतला: विश्वकवि रवींद्रनाथ टैगोर को भारत का 'राष्ट्रीय कवि' घोषित कर संवैधानिक मान्यता देने की मांग त्रिपुरा बांग्ला अकादमी ने की है। इस संबंध में अकादमी की ओर से भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय को ज्ञापन भेजा गया है। संगठन के महासचिव कृष्ण कुसुम पाल ने इसकी जानकारी दी। कृष्ण कुसुम पाल के अनुसार, 13 अगस्त 2026 को त्रिपुरा सरकार के सूचना, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के निदेशक के माध्यम से ज्ञापन (क्रमांक 216-222) केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय को भेजा गया। इसकी प्रतियां प्रधानमंत्री, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री तथा त्रिपुरा सरकार के सूचना, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग को भी भेजी गई हैं। त्रिपुरा बांग्ला अकादमी ने कहा कि दुनिया के कई देशों में विशिष्ट साहित्यकारों को 'राष्ट्रीय कवि' के रूप में सम्मानित किए जाने की परंपरा रही है। रूस में अलेक्जेंडर पुश्किन और इटली में दांते अलीघिएरी अपने-अपने देशों की राष्ट्रीय सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण प्रतीक माने जाते हैं। अकादमी के मुताबिक, इसके विपरीत भारत में अब तक किसी कवि को आधिकारिक रूप से 'राष्ट्रीय कवि' का दर्जा नहीं दिया गया है। अकादमी का कहना है कि भारतीय साहित्य और संस्कृति को विश्व मंच पर जिस ऊंचाई तक रवींद्रनाथ टैगोर ने पहुंचाया, उसके सम्मान में उन्हें भारत का 'राष्ट्रीय कवि' घोषित किया जाना चाहिए। कृष्ण कुसुम पाल ने कहा कि अंग्रेजी साहित्य में विलियम शेक्सपियर का जो प्रभाव और महत्व है, बंगाली तथा भारतीय साहित्य में रवींद्रनाथ टैगोर का योगदान भी उतना ही अद्वितीय है। हालांकि, दोनों कवियों का समयकाल और ऐतिहासिक संदर्भ अलग-अलग रहे हैं। अकादमी ने टैगोर की बहुआयामी रचनात्मक प्रतिभा का उल्लेख करते हुए कहा कि कविता, गीत, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध और चित्रकला सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वर्ष 1913 में 'गीतांजलि' के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त कर उन्होंने एशिया के पहले नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार के रूप में इतिहास रचा। भारत और बांग्लादेश के राष्ट्रगान 'जन गण मन' और 'आमार सोनार बांग्ला' के रचनाकार भी रवींद्रनाथ टैगोर ही हैं। कृष्ण कुसुम पाल ने कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर को भारत का 'राष्ट्रीय कवि' घोषित करने की मांग तब तक जारी रहेगी, जब तक केंद्र सरकार इस संबंध में आधिकारिक निर्णय नहीं लेती।

संक्षिप्त खबरें

पंचायत सहायकों का कार्य बहिष्कार और धरना प्रदर्शन 7 से लखनऊ में

कोंच(जालौन)- पंचायत सहायक कर्मचारी यूनियन कोंच ब्लॉक इकाई द्वारा मंगलवार को खंड विकास अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया। यूनियन की ब्लॉक इकाई अध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में सदस्यों ने एडीओ देवीशरण को दिए अपने ज्ञापन में कहा कि विभिन्न मांगों को लेकर यूनियन के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर लखनऊ के ईको गार्डन में आगामी 7 सितंबर से अनिश्चितकालीन विशाल धरना प्रदर्शन प्रस्तावित है। कार्य बहिष्कार कर इस धरना प्रदर्शन में शामिल होने वाले किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध कोई प्रतिकूल कार्यवाही न की जाए। उन्होंने कहा कि जब तक पंचायत सहायकों का मानदेय ग्राम पंचायत सचिवों के सापेक्ष 30 हजार रुपए मासिक अथवा प्रदेश में निर्धारित न्यूनतम कुशल मजदूरी दर के बराबर मानदेय प्रदान नहीं किया जाता है, धरना प्रदर्शन अनवरत जारी रहेगा। इसके अलावा अनुबंध संविदा प्रक्रिया को समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली बनाकर राज्य कर्मचारी का दर्जा, महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा, स्थानांतरण और समायोजन नीति लागू, पचास प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण भी प्रदान किया जाए। ज्ञापन में कहा कि उक्त सारी मांगें पूरी होने तक कार्य बहिष्कार के साथ धरना प्रदर्शन अनवरत रूप से जारी रहेगा। इस दौरान अंकित सिंह, शशेंद्र कुमार आदि पंचायत सहायक मौजूद रहे।

भाकियू बैठक में किसानों ने उठायी समस्यायें, सौंपा ज्ञापन

कोंच(जालौन)- भारतीय किसान यूनियन ब्लॉक इकाई कोंच की मासिक बैठक मंगलवार को ब्लॉक कार्यालय परिसर में आयोजित की गई। बैठक में शामिल ब्लॉक क्षेत्र के गांवों के किसानों ने अत्यधिक बारिश से खरीफ फसल के नुकसान, आवारा पशुओं और जलभराव समेत कई समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। वहीं किसानों ने अपनी मांगों को लेकर बीडीओ को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है। किसानों ने कहा कि क्षेत्र में अत्यधिक बारिश से खरीफ की फसल नष्ट हो गई है। फसल नष्ट होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने शासन से दैवीय आपदा के तहत नुकसान का जल्द ही सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने के साथ फसल बीमा कंपनी से बीमा की धनराशि दिलाए जाने की मांग की है। इसके साथ ही आवारा पशुओं की समस्या को लेकर भी किसानों ने नाराजगी जताई। किसानों ने कहा कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में आवारा पशु खुले घूम रहे हैं और खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, इससे किसानों की मेहनत और लागत दोनों बर्बाद हो रही है जिसको देखते हुए आवारा पशुओं को पकड़कर उन्हें बंद किया जाए। इसके अलावा क्षेत्र के तमाम गांवों में आम रास्तों पर जलभराव, गंदगी की भी शिकायत उठाई गई और पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था कराये जाने की मांग की गई। बैठक में संगठन के तहसील महासचिव डॉ पीडी निरंजन, ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष पटेल, भगवती शरण, श्याम सिंह, वीरेंद्र सिंह फुलैला, रामनेत सिंह, राजेश पटेल सहित दर्जनों किसान मौजूद रहे।

'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत नगर निगम अधिकारियों ने किया शहर का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। 'मिशन क्लीन पंजाब' अभियान के दूसरे चरण के तहत शहर में सफाई व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर और नगर निगम कमिश्नर ओजस्वी अलंकार ने विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने ट्रंकां वाला बाजार, गोकुल रोड, केसर गंज मंडी रोड, नवां मोहल्ला सहित आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर सफाई व्यवस्था की स्थिति देखी। इस दौरान नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यों और सफाई सेवकों की उपस्थिति की भी जांच की गई। सीनियर डिप्टी मेयर और नगर निगम कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सभी क्षेत्रों में नियमित और प्रभावी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा जमा नहीं होने दिया जाए। साथ ही सफाई संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। राकेश पराशर ने कहा कि नगर निगम शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में शहर में सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सीएसआई रवि शर्मा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा में माधवदेव तिथि पर भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित

श्रीभूमि: महापुरुष श्री श्री माधवदेव की पावन तिथि के अवसर पर एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी राघव चंद्र नाथ के मार्गदर्शन में किया गया। क्विज प्रतियोगिता में एनएसएस स्वयंसेविका पायल मिश्रा ने प्रथम, पिया चक्रवर्ती ने द्वितीय तथा अनुज शुक्लबैद्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में प्रिया चक्रवर्ती ने प्रथम स्थान हासिल किया। पूनम गोपे ने द्वितीय तथा प्रोश्मिता दास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिमान भट्टाचार्जी ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दोआबा में पहली सरकारी वायरस जांच प्रयोगशाला शुरू, आलू उत्पादकों को मिलेगा लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर। राज्य में कृषि ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी एवं रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने धोगरी स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर पोटैटो में दोआबा क्षेत्र की पहली सरकारी वायरस इंडेक्सिंग प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। करीब एक करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह अत्याधुनिक प्रयोगशाला बागवानी क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। मंत्री मोहिंदर भगत ने कहा कि यह प्रयोगशाला मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की आलू उत्पादकों के हित में महत्वपूर्ण पहल है। अत्याधुनिक जांच तकनीक से लैस प्रयोगशाला बीज से फैलने वाले वायरस की शुरुआती चरण में पहचान करने में सक्षम होगी। इससे किसानों को संक्रमित बीज की बुआई से बचाने में मदद मिलेगी और फसल में बीमारी का खतरा कम होगा। उन्होंने कहा कि रोगमुक्त आलू बीज की उपलब्धता बढ़ने से किसानों को उत्पादन में होने वाले नुकसान से राहत मिलेगी तथा श्रम और आर्थिक संसाधनों की भी बचत होगी। उन्होंने बताया कि राज्य में अपनी तरह की दूसरी सुविधा होने के कारण यह प्रयोगशाला जालंधर के साथ-साथ पूरे पंजाब के आलू उत्पादकों के लिए उपयोगी साबित होगी। करतारपुर के विधायक बलकार सिंह ने कहा कि नई वायरस जांच प्रयोगशाला फसल को नुकसान से बचाने के साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी मददगार होगी। उद्घाटन समारोह में बागवानी विभाग के निदेशक मनीष कुमार, संयुक्त निदेशक गुरशरण सिंह व हरमेल सिंह, उपनिदेशक डॉ. नरिंदर पाल कलसी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के नियंत्रक अधिकारी डॉ. रूपिंदर सिंह गिल और परियोजना अधिकारी डॉ. दमनदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नशे के अड्डों पर भी चला सफाई अभियान, नौ सुनसान स्थानों की श्रमदान से सफाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना, लुधियाना। एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया के निर्देश पर खन्ना पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले में व्यापक कार्रवाई की। खन्ना, समराला और पायल उपमंडलों में कुल 12 स्थानों पर तोड़फोड़ और सफाई अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य नशा तस्करी में शामिल लोगों द्वारा बनाई या इस्तेमाल की जा रही संपत्तियों पर कार्रवाई करने के साथ नशे के सेवन के लिए इस्तेमाल होने वाले सुनसान स्थानों को साफ कर आम लोगों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करना रहा। अभियान के दौरान तीन मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े आरोपियों की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई। समराला के अंबेडकर कॉलोनी निवासी मनीष व रजनीश कुमार पुत्र हरिलाल, दोराहा के विश्वकर्मा रोड निवासी मनप्रीत चौधरी उर्फ भीमा पुत्र पाल चंद तथा खन्ना की मीट मार्केट निवासी निक्का पुत्र कालू की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा नशे के सेवन के लिए इस्तेमाल किए जाने की शिकायत वाले नौ सुनसान स्थानों की श्रमदान के माध्यम से सफाई कराई गई। समराला में मुख्य चौक के पीछे स्थित शराब ठेके, पुरानी मार्केट कमेटी कार्यालय, मारिया-माछीवाड़ा रोड, गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम के पास पानी की टंकी और बस स्टैंड के पास पानी की टंकी की सफाई की गई। पायल उपमंडल में धमोट और बस स्टैंड के पास तथा खन्ना में करतार नगर और मीट मार्केट क्षेत्र की भी सफाई कराई गई। अभियान में विधायक, ग्राम विकास

समिति के समन्वयक एवं सदस्य, नागरिक प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और स्थानीय लोगों ने सक्रिय भागीदारी की। पुलिस प्रशासन ने कहा कि नशे के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई और जनभागीदारी वाले अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने केंद्रीय जेल का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए)-सह-जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमृतसर जतिंदर कौर ने 31 अगस्त को केंद्रीय जेल अमृतसर का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएलएसए के सचिव अमरदीप सिंह बैंस भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश ने महिला वार्ड और उच्च सुरक्षा वार्ड का दौरा कर कैदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं तथा उनके कल्याण से जुड़े इंतजामों की समीक्षा की। उन्होंने कैदियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं और शिकायतें भी सुनीं। जेल प्रशासन को निर्देश दिए गए कि कैदियों की जायज शिकायतों का कानून के अनुसार शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पात्र कैदियों को जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में जानकारी देकर इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। जतिंदर कौर ने कहा कि कैदियों के कानूनी एवं मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्हें कानून के अनुसार कानूनी सहायता, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता और अन्य आवश्यक कल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है।

इस अवसर पर केंद्रीय जेल के अधीक्षक राजीव कुमार अरोड़ा ने जेल प्रशासन, कैदियों के कल्याण और सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। निरीक्षण को जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण की ओर से कैदियों के कल्याण, समय पर कानूनी सहायता और उनके अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करने की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा बताया गया।

तीन अभियुक्तों पर पुलिस ने की गैंगस्टर अधिनियम की कार्यवाही

कोंच(जालौन)- गैंग बनाकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले गैंग लीडर समेत गैंग के दो सदस्यों के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने 2/3 गैंगस्टर अधिनियम की कार्यवाही की।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप ने बताया कि पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह एवं अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में गैंग लीडर कल्ला उर्फ जावेद कुरैशी पुत्र लियाकत सहित गैंग के सदस्य असगर उर्फ अग्गस पुत्र मूसा कुरैशी एवं तौफ़ीक़ पुत्र नूरा उर्फ नूर मुहम्मद निवासी तीनों आराजीलेन कोंच पर 2/3 गैंगस्टर अधिनियम की कार्यवाही की गई है। उन्होंने बताया कि गैंग लीडर कल्ला कुरैशी के विरुद्ध कोंच कोतवाली सहित थाना कैलिया और थाना जालौन में गौवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम, शस्त्र अधिनियम जैसे कुल 19 मुकदमे दर्ज हैं, इसके अलावा उसके विरुद्ध वर्ष 2024 में गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत भी कार्यवाही की गई थी।

सुखबीर बादल ने सात युवाओं को यूथ अकाली दल का कार्यकारी प्रधान बनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने यूथ अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह झिंजर से विचार-विमर्श के बाद सात मेहनती युवाओं को यूथ अकाली दल का कार्यकारी प्रधान नियुक्त किया है। इन सभी को अलग-अलग लोकसभा हलकों का प्रभारी भी बनाया गया है। इसके साथ ही विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों की नियुक्तियों की भी घोषणा की गई। आकाशदीप सिंह मिड्डूखेड़ा को बठिंडा, हरिंदर सिंह मेहराज को फरीदकोट (एससी), लवप्रीत सिंह लप्पी ईना खेड़ा को फिरोजपुर, हरपाल सिंह खडियाल को संगरूर, मनजीत सिंह मलकपुर को पटियाला, हरजोत सिंह मांगट को फतेहगढ़ साहिब (एससी) और गुरसेवक सिंह शेख को खडूर साहिब लोकसभा हलके का प्रभारी नियुक्त किया गया है। यूथ अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह झिंजर ने बताया कि अवतार सिंह जागल को बरनाला (शहरी), रुपिंदरजीत सिंह लखेवाला को रोपड़ (ग्रामीण) और तरनजीत सिंह तरनी को रोपड़ (शहरी) का जिला प्रधान नियुक्त किया गया है। इसके अलावा बलजिंदर सिंह मिठू और मोहन सिंह नंगल अबियाणा को उपप्रधान, जबकि मनप्रीत सिंह गिल रोपड़ और लखविंदर सिंह लक्की खैराबाद को यूथ अकाली दल का संगठनात्मक सचिव नियुक्त किया गया है।

दुल्लभछड़ा में श्रीश्री ठाकुर अनुकूलचंद्र का 139 वां शुभ आविर्भाव दिवस मनाया जाएगा

दो दिवसीय भव्य आयोजन में सत्संग, धर्मसभा, मातृ समेलन एवं महाप्रसाद वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: युगपुरुषोत्तम परमप्रेममय श्रीश्री ठाकुर अनुकूलचंद्र के 139वें शुभ आविर्भाव दिवस के अवसर पर श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में दो दिवसीय जन्म-महामहोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 15 और 16 सितंबर को अस्पताल रोड स्थित सत्संग केंद्र में विभिन्न धार्मिक एवं मंगलमय कार्यक्रमों के साथ यह महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। आयोजक सूत्रों के अनुसार, आगामी 15 सितंबर, मंगलवार को शाम 4:30 बजे महोत्सव का शुभ उद्घाटन होगा। शाम 5:22 बजे सामूहिक विनति प्रार्थना, नामजप एवं श्रीश्री ठाकुर के अमीय ग्रंथों का पाठ किया जाएगा। इसके बाद शाम 7 बजे युवाओं के नेतृत्व में विशेष सत्संग का आयोजन होगा। आगामी 16 सितंबर, बुधवार को ब्रह्ममुहूर्त में वेद मांगलिकी एवं नहबत तथा प्रातः ऊषा-कीर्तन के साथ दिनभर के कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। सुबह 5:04 बजे सामूहिक विनति प्रार्थना, नामजप एवं अमीय ग्रंथों का पाठ होगा। इसके बाद सुबह 7:05 बजे सत्संग एवं नाम-संकीर्तन, सुबह 9 बजे संगीतांजलि तथा पूर्वाह्न 11:30 बजे मातृ सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसी दिन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक भंडारा अर्थात महाप्रसाद वितरण किया जाएगा। अपराह्न 3:30 बजे 'DP WORKS' विषय पर धर्मसभा का आयोजन होगा। शाम 5:22 बजे पुनः सामूहिक विनति प्रार्थना, नामजप एवं अमीय ग्रंथों का पाठ किया जाएगा। शाम के समय विशेष रोशनी एवं विभिन्न मंगलमय कार्यक्रमों का भी आयोजन रहेगा। आयोजकों ने बताया कि इस पावन अवसर पर जाति, धर्म, वर्ण एवं संप्रदाय के भेदभाव से ऊपर उठकर सभी वर्गों के लोगों को शामिल होने का आह्वान किया गया है। श्रीश्री ठाकुर अनुकूलचंद्र के आदर्श एवं निर्देशों को सामने रखते हुए इष्टस्वार्थ की स्थापना के उद्देश्य से समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर आगे आने का संदेश दिया गया है। महोत्सव को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति के अध्यक्ष सुजीत पाल, सचिव राजू दत्ता एवं कोषाध्यक्ष मानिक लाल विश्वास के नेतृत्व में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं एवं आम लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस महामहोत्सव को सफल बनाने की अपील की है। महोत्सव से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए 9678679169 एवं 8638798810 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।